

DH-403
RNG



धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार DH403

॥ ज्ञानमहशीसद्वद्वदाधिसत्त्वच्यशनमहशीन ॥
॥ मृतिगतिविज्ञायत्यादापञ्चनमये ॥ ॥ कसम ॥
॥ तोमसीयवृद्धगावदग्वाधिसत्त्वसमञ्जयया ॥

॥ वावलेआययह्यायामिनायेपुनश्चथागञ्जुमिसा ॥
॥ यगुह्म ॥ ॥ कटतथागतहविज्ञादावध्वमाध्या ॥
॥ महाकलदवतयासुखत्यायमहादवतयासि ॥

यादमहादवतया ॥ ॥ दृढयावमहायथिदीदवतया ॥ ॥ दारोह्यावमहादवतया ॥ ॥ यदंयसुखातिमादादवतया ॥ ॥ निरनकदवनागयदगारुसगध्ववासुव ॥
॥ वावुठिनिनमहावगमन्यामन्योहसाद ॥ ॥ एगुथायुमानानद्यानवगमनमददावतयकि ॥ ॥ कासांवनगावध्वमाविनयंलविशमीनिपुनव ॥
॥ वानाहएगमथारिज्ञानज्ञानदृष्टुष्टयाविवक ॥ ॥ स्वधिसमाधिवध्वमागयकिष्ठिमंणुध्वयविव ॥ ॥ ककयुवाधिसत्त्वकमयुदविदानसु ॥ ॥ यमादद ॥
॥ सहेयतासामिदंनकागशीवमवधितगशी ॥ ॥ ययययीकलनादशदिद्वनसुषुवद्वधिविष्ट ॥ ॥ नमधिविष्टमंणुदास्यगकहृष्टवसिददि ॥ ॥ ॥
॥ लकलुनायस्विमायासमिनाहृरुवदृष्टिहृष्टयमंयवयायधिविज्ञानमागलादसनारुमंसद्वथायधिनसाथेसद्वथायकयकवंसद्वसाथयदागावंसद्वदृष्ट

सविनासतं मुं सुचक्रुत तस्य सच श्री समलं कृतं ॥ ८ ॥ यद्वद्विद्याय हि सत्त्वान्नाह मायुष ॥ अलङ्कारा विविद्या हि दवनास्य गम्यां ॥ कारुया यदनातिष्ठा ॥
 क्रुद्वादिष्यदृगा ॥ यवस्य वनिर्द्धा वा अथ ॥ नासे वृयद्गा ॥ क्षा काया सथनर्थवत्तयशस ॥ नयववा यहनक वधी तायां कायाददा वृ ॥
 गह ॥ पायकं यश्च नत्वप्रसा काया समुच्छि ॥ नं ॥ तनसुत्तान मुदिनाश्चातयं सतमुत्तमं ॥ स्थः ॥ धनियद्दं ह्युत्तं मभी वयुद्वा गवरां सोम त ॥
 काश्यसनाया ॥ सुविद्वत्तं कृता क्षतयान् ॥ सध्वतया नित्यमयसमा ॥ सुदा वृता क्षतजमा वा ॥ स्यसुत्तया सायक सचया निना ॥ त्वयं तलाक ॥
 याता हि सामात्या ॥ सग ॥ क्षय ॥ क्षतयां वक्राक विद्यति ॥ अनको यदकाटिनि ॥ क्षमवत्त ती मदादधीत ॥ या श्री कृ यवा ॥ सेती ॥ क्षा व ती त्ता माता वदृ ॥ दृष्टिदीदव ता ॥

वक्रादिमिदस्य मरुद्विकि नरह्वये ॥ गवृत्तु र्द्धा यासादं यद्वगवत्तय नरो ॥ क्षतवत्तजाय संक्राससे यवल वा दना ॥ क्षतयां वक्राक विद्यति दिवा वा जो स मा ॥
 हिता ॥ क्षदंशु जंय का सि अग श्री वं दृद्धा वरं ॥ १ ॥ दृष्ट्य मच्च वदनां दृष्टं संक ल्यका टीनि ॥ क्षद्व ॥
 त्मादन्त यवृक्षां क वाति हि ॥ तय कि ता न वि ॥ अतिमनक ॥ क ल्यका टीनि ॥ क्षदवना गमन ॥ यस्व ॥
 यय मविनि यतल यां य सि तं ता नि ॥ क्षतयथा ॥ नया नितां य गुटी ता न वि ॥ अति सच वृद्धे दि गा ॥
 ॥ चो क दीदव या दृष्टा र्गवत्तु तया वने ॥ १ ॥ मे न विरुं समुत्तय यरि तय म कटि ते ॥ विमलं वि द्युत्तं वि न माता नं यक विद्यति ॥ यमादय क्व वता सि ह्व ध्व स्रुत्त मुत्त

मं॥ स्वागतं वमन् अयं स वं मानं वं हं लं ॥ रूडी विता अकी वति स वं हं धृति य वि दं ॥ ७ ॥ क स ल मू ला ल व द व द्वा य स व का ॥ ४ ॥ य यं मि दं क र्क य ट द शि तं स य विः स्य ति य ति ॥ १ ॥ य द र्क य ता सा त म स ज द ग ज ग ल रू वि व क कृ ता म य वि स त्वा म हा स त ॥ ४ ॥ य ति मि त ॥ १ ॥ स्ये त द न व त ॥ का रु नु ॥ १ ॥ क द य स य य ७ ॥ क र व न ग व ता दौ ह ह दौ व य त यो दी या य क ता यं ॥ क त मो दौ या धा ति या त व व मं धं सा क न य द न व ॥ मू य व द्वा य स य या क ल्य का टि नि य त श त स ह य नि	नि दान य वि द्वा ता न म य य म ॥ ४ ॥ ॥ त न व स ति य द्वा कि न कृ ता वि वा वा ॥ १ ॥ व वा धि त क स ल इ ग व त ॥ १ ॥ सा क म त र व य री त मा य ॥ ४ ॥ य मा धं	स ल य न ॥ १ ॥ काल न त न स म य न ग ज गृ ह म दान मू ला व द्वा क टि नि य त श त स ह य य य ॥ ३ यु द्वा मि ती व वा धि ॥ १ ॥ य न क ल्य त द न ग व त ॥ य स य या क ल्य का टि नि य त श त स ह य नि
---	---	--

र ग दं द्वा क म नि ॥ १ ॥ या धा ति या क य ति वि र ता व ह व ॥ या व द स क स ल मू ल क म य यं स मा दाय य त ॥ ता व ति र ग व ता ता क न मा ध्या मि कं वा क नि व हू नि स हा नं य दि त्य का नि ॥ १ ॥ क स ॥ १ ॥ स री र मा न न स्य ति म न रि का र य मा म व दि श य यं वि का र त या ग त वि य ह दि श्या ति का क न ग न व न स न य दि श्या दि श्या नि य यं का नि दि श य त द य य ग य कृ ता नि या द हू ता नि व हू व ॥ १ ॥ य र कि म न त व का स क था ग त ॥ १ ॥ या द हू ता द कि (ध न र त कं नु क था ग त	रू वि वा धि म क या व कृ दि ता ॥ १ ॥ म ता ॥ १ ॥ स त थि ता ॥ वि न य मा न स य हं वि य लं वि री र्क स य ह त म १ ॥ त मि स गृ ह व नु दि शि व त्वा रि दि श य त म य	या ग व न सा क न त न म य त स य रू य स व द्वा न व न व नु श म य म त क दि श य त य स क या स ता नि या द हू ता नि मू ल व न ॥ १ ॥ त य द्वा स त ॥ १ ॥ या द हू ता द कि (ध न र त कं नु क था ग त
---	--	--

॥ यादृक् तक्षयश्चिन्तामितायुक्तया गतः ॥ यादृक् तक्षयश्चिन्तामितायुक्तया गतः ॥ यादृक् तक्षयश्चिन्तामितायुक्तया गतः ॥	॥ यादृक् तक्षयश्चिन्तामितायुक्तया गतः ॥ यादृक् तक्षयश्चिन्तामितायुक्तया गतः ॥ यादृक् तक्षयश्चिन्तामितायुक्तया गतः ॥	॥ यादृक् तक्षयश्चिन्तामितायुक्तया गतः ॥ यादृक् तक्षयश्चिन्तामितायुक्तया गतः ॥ यादृक् तक्षयश्चिन्तामितायुक्तया गतः ॥
--	--	--

नवः द्वितीयः त्रितीयः चतुर्थः पञ्चमः षष्ठः सप्तमः अष्टमः नवमः दशमः	नवः द्वितीयः त्रितीयः चतुर्थः पञ्चमः षष्ठः सप्तमः अष्टमः नवमः दशमः	नवः द्वितीयः त्रितीयः चतुर्थः पञ्चमः षष्ठः सप्तमः अष्टमः नवमः दशमः
---	---	---

तस्मात्किमस्य साहिमाकिचिक्कुरसंशयं॥ तदिह न स्यात् ४ यच्च कं कवि तं या यत्नस्य ॥ अथ यत्नतस्मिन्मयतनुयश्चदिआवाश्याकारताकोलियानाम वाक्कला ३ न केवाक्कलासु ३ सा च न गवत	४ यज्ञा यम् कृत्वा तया गतस्य मदाय निरिति वा चसत्वा न कं य का म दा का नृ लोकादिने यी स च स	सदं कृत्वा सह सा त्वय न ग वत स्य र ता यानि त्वानां मा तो धि त र ४ अ म स म रू त द्य गु
यत्नत गवत मवमाह ॥ सच किल न गवासा नृ गला के कला मदाय ऊ ऊ न स्य स म ऊ त २	१ यदि त्वं स च स त्वानां ग रू लं स न्य स्य सि म स १ यदि त्वं स च स त्वानां ग रू लं स न्य स्य सि म स	कं व रं द हि त ग वा तू श्री तू ता रू ॥ अथ व ५
दानं ता व न तस्यां य यदि स च स त्वयि य द श ना ना म लि त्सा वि द्मा व रू स्य यति ता न स मू त्यं तं स आ वा श्या कार ता को लिय वाक्कला मवमाह ॥ कि नू त्वं म दा वा		

मला न ग व क म क व रं या व सि १ मू रं त व रं द या मि १ वा म ता मू र १ अ रू म सिं लि त्सा वि द्मा व रू त ग व त म क व रं या वे सि १ अ रू १ यज्ञा य रू ना य त ग व त १ स च य रू ल मा वं वा रु मि द्वा मि ति वा दि रुं रू स्यं वा रु म लि य	या ऊ ना र्थे तं स च य रू ल मा वं वा रुं अ रि य रू यि वं ता व यि श्य ति १ य वं ता लि त्सा वि द्मा व रू द्धि कू	त्वा नि द सा धि य तं ल स्य त मू ति १ य वं अ य त १ यं द र नृ वा च रू व स्य य ता सा त्म म रू वं अ म्मा क
हृ त्वा त्वा लि त्सा वि द्मा व रू व स्य य ता सा त्म म रू म व य त्वा नृ दी यि का नां वा म्मा म च य मा वं वा	लुं क र यु क नि दि श्वा रू १ अ रू त व रं या व य त स १ य वं ता लि त्सा वि द्मा व रू द्धि कू	त्वा १ दि य म व नि द सा धि य तं य ति ला ति ना रू दि १
श्रुति ॥ तं कि ल ता लि त्सा वि द्मा व रू स च य रू ल मा वं वा रुं त या ग त स्या या वि तं वा रु क र यु क नि दि श्वा व हि त स्य स च स त्वानां नि द सा धि य स्य र ला रू मू ति रू त श य		

वंमयावर्णालिकाविक्रमावदहं॥ अथसर्वलाकयियदशनातामलित्वविक्रमालावाशायाकरलकोशियवाक्यं गथातिरक्तायत॥ यदाश्चानुसृगमाया
 वाहयः॥ कुरुमानिवा॥ का॥ काकातविशति॥ संखदल्लहकाकिंला॥ कुरुतालरुलंदयात्कुरु॥ रश्मात्रमंडली॥ तदासुधयरुलमानं वक्षुतवा
 नुत्तविशति॥ यदाकुरुय॥ लामानांयावदे॥ सवितात्तवत्॥ हमतसीतदरतातदाचातुत्तवि॥ यति॥ यदामशकयादानामश्वात्तवमानवत्॥ न
 ॥ दृष्ट्वायथकथीवतदाचातुत्तविशति॥ य॥ दातीशुमदात्तस्यदताजायति॥ याएलाशकुली॥ कानां हिस्वयांतदाचातुत्तविशति॥ यदाशह
 विद्यादातति॥ अलीसूदृष्टंत्तवत्॥ स्वगस्यावाहनाथयतदाचातुत्तविशति॥ तानि॥ अलीयदावृक्षवदुस्रकयमयिकहागदुस्रयविद्यावतातदाचातुत्तविशति॥

ति॥ यदामयघटंयीत्वा मक्रिकाशमवाविली॥ अगाववासकल्ययुरुदाचातुत्तविशति॥ यदातिथ्यवसंयन्नागरु॥ सुखितात्तवत्॥ कुरुलंनृतागतवत्तदाचातु
 तविशति॥ यदाकुलककाकाश्चरमययवदा॥ गता॥ अनायमनृकलनतदाचातुत्तविशति॥ ॥ यदायलासयजाताद्वजहिवियूलसुवत्त॥ व
 यथयतिद्यातायतदाचातुत्तविशति॥ यदा॥ सानुदिकानावासयकासयताकिंकाधल्लम
 कसकृता॥ यच्चतगावमादतं॥ तुयुदौनेयः॥ गद्ययुरुदाचातुत्तविशति॥ यताश्चमाया॥ यत्वाभावायाकरलकोशियवाक्यं॥ ॥ ॥
 चलाकयियदशनंविशविक्रमावगाथाति॥ यत्तायत॥ मावसावृक्मावायजिनयुजमहागि॥ ॥ ॥ ॥ यथायकुरुतावि॥ ॥ ॥ यथायकरलात्तम॥ ॥ ममकुरुमा

उद० लाकुयहलाक अननवदृति सदानादिना ॥ सायुक्तुसचशसनातिलाक ॥ समतसत्वा ददया दता यथातथातया साततया मनीद ॥ यथेवसवाथ गुला ययन० समास सचक्रमदा मनीद ॥ त नातवकुवक्रमसचसत्वा ॥ साततुवद ताहिताय ॥ दनकुत्ता साविचमनुद० लां स कुतदृदृति संयवादितां ॥ नमाकुवदायववाल सवकु ॥ जातिस्मा ० सत्तवकु सचजाती सताजाति सद्दयका ० अनन्तरत ० सततं मनीदं ह्यत्र	येवतावकु गुला सागवा ० यजा ० समाधिवा तं वगवावा ० यवतयत्रुतुतचमवकं ॥ ति मकवागंतयदायमादं ॥ यसत्वातिष्ठकमया ॥	वांगगुलीयता ० अननवदृति सदानादि संनुकल्यानि विनि यानिद सनुचमजग यहमी आदिय संयकालिताग्निगजा ० अश्रु १०
--	--	---

तथां वदतं सदा ० अननवदृति सदानादिना लनकुवद्वहिसमागमं ॥ विवक्षयत्रुयत्या यकसां वं कु क शलानि शुतक्रियाति ॥ नमासुवासा म यिसुचयाशिनाया संकु तांद सतयाथना आदिय यकालिताग्निगजा ० अनिलीसुसा हसुगनूयलाक ॥ अननवदृति सदानादिना वयवस्रवणा ० अनयात्तम ० समरुवकु सां वदा ० कथा कारुण्यातसमजल्यथ प्रति शुक्रकुदसादि कथावलिना ० यद्वमया ० कं क म कृतं सचं सदा	य ॥ अननवदृति सदानादिना तत्तचित्वां काश्चयविजसतिनिवायसंनयाति तयुवा म दिना सचवनयां य समनुद० सा ० अनिलीसुसा	यवियवयया ० यथावनवकडययनसत्वा नायद० सत्वा युवयासुथा गनवक युय यविनाला मस्रवणा कृतानि च ॥ जालानुयां न
---	---	--

٩٢

मंदयुक्तिकालवृद्धतिथययंनुगृह्णतुतसत्तवतुष्टाशकवक्तुयुद्धांदससदिहंसासुअवित्रियांसवतथागतानांसवाधिसत्त्वानयिआव	वांगतिंसविविदुयक्तुतवक्तुअष्टागिक	वीथिवृत्ताशआसादयक्तुदिनशकमक्ति
कानांधिमस्यावाधियतिरतिहिरस्थानी	कृतिनादितवक्तुनित्यंयत्ततधनक्षायस	मृदकाशशयुयतावक्तुनययानकीत्या
लतवक्तुवृद्धदिसदासमागमन्डशेष	यानित्यंरतातक्तुसुवाश्रयागह्यविदयलि	ताह्यतसविवाधियवक्तुनित्यंयवक्तु
समलंकृतासाक्तुजनककल्यांसवाभि		
वयावमितासुषदायशक्तुवृद्धादससुदिसासवताकमदृक्षसुखायविद्यान्वेक्ष्ययत्तसनसनिषस्यान्वेक्ष्यनुधमाश्रयकाशमाना		

१६

नयायानिकमातिमयाजितानिद्यवाजितंयद्रवसंकल्पयययायायकमातिवतावक्तुक्तसविदीयक्तुवतिववातिसुवाहायसवसत्त्वानवव	काकवेतासितनाक्तुवधनान्तमशक्तुदृष्ट	खेयुयजानवक्तुययायिसत्वाक्तुहंजा
ध्वनक्तुहंससारयासेष्टुवध्ववद्धाशय	कुवक्तुगशीरविविगुयुय्यंतत्तवयुय्यंश	नमादयामिंतनेवमयुय्यात्यनमादन
मृद्वीयययायिअशयुवलाकधामुयु	मिदिंसयत्ताममाक्तुसयवाधिसिबजा	मत्तुक्तयायावद्धतताशतिदसवल
नकाशनवावातनसाजितनयतिधन		
अदावयसन्मृद्धमलमारसतममाययविर्यामतवसिताययशीश्रकल्यांडरुतमयाशान्गतिरिह्लाकसियवक्षितनिशयुय्याह		

श्रियावा कला कविश्या वा यस्तु अतः समन्ति कलां कलिति निश्चिद्विद्वत्सव न जातिस्मरसु त जातिषु सदां ग सवदि य आनितां गह विवि न यशू नि गुलो वयत हान व द गोजि ह्य सं दित १६ स १ गुथ मृत य व रु द स रु १ तथा व द स रु अ रु व स्य य ता मा त म स ज द ग द स ना काल द व ता म त द वा च त १ त न ख ल य न १ क ल द व त काल त न त स म य त वा का स रु व स्य नु ज न दाना मा सी द व त न क स ला क व र स स व त था ग	दा व ता दृ शा न श्रु ति न १ ॥ त त व क स्य ला म कि क क स ल क र य था मि दं व स्य य य वि व क्ता ना म व रु थ स्या ॥ १ ॥	वृ द्ध स्य वा कि क क स ल क र त न द यो व यि रु द स नं य वि द्यु ती ति ॥ ० ॥ १ ॥ थ य ल त ग वां स्ता वा धि स ल स म य था न
--	--	---

तस्तदना ती ताना ग न य स्य त्या ना व द्वा न ग व ता इ त्य छा दी त ॥ य कि न स व क य व त व कि य व धि य कि द श दि मि ला क १ त य कि ना त क वा मि य ला मं तं जित सं य म दं य त जि थ १ सा न य आ त वि या यं १ य द द मो व म दी व रु क सं ती व स कं वि वि शु द्ध स न जं ती ल मि वा ल य ल य थि स्य तं सं द कि ला व ति त व ल ति व स्य रु क्ति सा क व की स्य स सी व ग न मू य म वा क ल ना तं १ का व त का ठि स रु व स्य सु द व ना स म स्या न त या त य ती १ अ य थ	अ द्ध म नि वं रु व स्य व स्य य ना सि त गा नं स व त का स नि का सं १ स ल नु या व स या लु त द तं य द्वा मू व स्य वि स्या व रु कि कं य द्वा य ना सि त	स वा स व स व व द्ध व क र त श ल व ग कि त रु स दि वा कि त ला सि त ना तं १ ती ल वि सा ल य द्वा मू य नं १ स रं वि ल्हा व नि ला म स्य ता
---	--	--

वायविशिष्टतासायंमुद्रकसचिदिनांशुसतंतंयकसमकितवाभमखायंवालसलामयदक्षितावलंतीलनिताकलकयुलजातंतीलविवाजितमा वसणीवंजातसमानयनासितगायंय नवकागतिश्चयतिश्चगतिश्चयतसुमार कतकतितासंकाश्चनतययनासितगा मलगातंसिंहमिवाकामविकमनामंललितरुस्यलक्षितवाद्रमावृतयवितसातलतवयामयताकलमवितरस्मिन्मसहसमिवयत	दितसविदसदिशिलाकदृष्टमनकय वमनऊगतिश्चतयचमवसखायितमलं नंमोशसंकाकसविमलवक्रंविकासित मलगातंसिंहमिवाकामविकमनामंललितरुस्यलक्षितवाद्रमावृतयवितसातलतवयामयताकलमवितरस्मिन्मसहसमिवयत	शान्तिलोकंमदसखनवतथितसलं सचयशातज्यायगतिश्चवससुवस वादितसविमलवदतंतंरुतावृहंमका मलगातंसिंहमिवाकामविकमनामंललितरुस्यलक्षितवाद्रमावृतयवितसातलतवयामयताकलमवितरस्मिन्मसहसमिवयत
--	--	--

१८

यत्नंतिमलगाजववतिगातीडंसवयनासितकजमनतंरुदनासोकवताखवजालंकजमनतंसहससतयुतयिचनिष्ठितसवमरुयिवृद्धयनामवि वावततायवृद्धदियाकवलाकयदीयंवृद्ध सहस्रतादिकायंसवगुणानिवलंकृत तनुलांशुक्रवजायमयगतवृद्धाश्च वावमनकाययन्नशौचस्थयदानसुगंधयदानेवक्ष्णततसवतशिरायिदिक्काशतेयिवृद्धगुणातिकल्यसहस्रतेनदिवकुंयगुणसा	दियाकवसहस्रतंरुजमनतंसहस्रत गाजंशोषुगजयतिनंजितवाद्रविमलल क्रवजायमयवतवतिश्चक्रवजायमवहि वावमनकाययन्नशौचस्थयदानसुगंधयदानेवक्ष्णततसवतशिरायिदिक्काशतेयिवृद्धगुणातिकल्यसहस्रतेनदिवकुंयगुणसा	यययानुसलवृत्तथागतसुथंयय कथमष्टितरुतैरुमितलायमसावि छतिरतयजिनानकवाभिसुखानंकायन वावमनकाययन्नशौचस्थयदानसुगंधयदानेवक्ष्णततसवतशिरायिदिक्काशतेयिवृद्धगुणातिकल्यसहस्रतेनदिवकुंयगुणसा
---	--	--

धनिवृत्तदिनानां साववराय विविनमूनकोशय कडिनयगुणानसकादिनासदसतायिनुकिचिन् ॥ काममसक्तिदिनानां रावगुणस्य
 वित्तववकुं ॥ सवसादवकुलाकुरुमकुह ॥ सचनवागुनवकुलतयस्यान्यलगुहयनु ॥ अक्षयमाहुनेववरावगुणस्यमतानां
 यवसिनुसंश्रुतमडिनेसवकायनवाजाय ॥ सनमननयमवसंवितय्यादुलायंतन ॥ वसवयनानुडिनतं ॥ रावकुवितव
 यतिवेदंरावंकवातिनृयहयलिधानं ॥ यः ॥ नवकुजविमश्रुतवतजातिमूनागतक ॥ ल्यमनता ॥ १०६ ॥ मरविशमिस्रयुष्मि
 हसदशातनुश्रुमिच्छेदश्रुजितश्रुति ॥ कामराकवमाडा ॥ जातिषुजातिननलनयं ॥ वदगुणानिमननमहुल्यायिवदलनकल्यसदसेषा

१०

जगुक्तलयवदहस्यनगतायितयूनदशयिदि वसंगतायि ॥ दहस्यसमुद्रविमावयित्वायुवाययक्षि ॥ रथियाभमितानिषावाधिमनूकवयश्चलः
 नयंकुननवतममाअसयय्या ॥ नवीय ॥ दानवियाकयलनसचदिनानवमश्रुतिः ॥ दताहसंमुखयश्यामिमाश्रमनीयंयाका
 चलांश्रुतनलनयं ॥ यम् ॥ मदारकादोम ॥ मयुजोवनकडंकनकयताखवं ॥ तदनिदा ॥ वकतनलनयंवाधिमनूकवआकनंता
 ययथियसत्वाअलनमूनायाशवता ॥ विहीनवासनगताश्रुतयूसवयजनागतस ॥ चनालायरायलासवतातिश्रुदहस्यसमु
 हवसंक्षयलासवसुखस्यचजाकाररुत ॥ कल्यजनागतवाधिववयं ॥ यककयश्चकाठिगताश्च ॥ खल्लयताआकमदसतताययायसमुद्र

वृथमन्तवृथावन्ति स्म तद्विद्यं सद्दिविद्यं च । धर्मविद्यावन्तव । यद्विद्यं नीति यस्य च वत्तं च । यथा तव धर्मवन्ति शून्यमस्य युक्तान्तवृथविद्यं तव च । यथा तव सद्दिवं वंचलमन्तवृथसंयद्विद्यं । यथा तव विद्यं स चित्तं च तव विद्यं क्व वक्तुं जानमात्मकं । कायश्च निश्चयनिश्चयान्तावन् । अस्माकं ह्येत्यसं नवश्च	तात्त्विकं । विषयमन्ति धर्मवन्ति । विनं हि मा संयमो वन्ति समाचित्तं यथा न तव विद्यं वत्तं च । यथा तव सद्दिवं सत्तं च । यथा तव सद्दिवं वत्तं च । यथा तव सद्दिवं सत्तं च । यथा तव सद्दिवं	या यथा च वत्तं च यद्विद्यं विषयविद्या या यथा च वत्तं च यद्विद्यं विषयविद्या चित्तं च । यथा तव सद्दिवं सत्तं च । यथा तव सद्दिवं
--	---	---

२१

सात्त्विकलक्षणमस्ति तस्य । स्मितकायकृत्तवृत्तयामस्तद्विद्यं सत्तं च । यथा तव सद्दिवं सत्तं च । यथा तव सद्दिवं	निश्चयं च । यथा तव सद्दिवं सत्तं च । यथा तव सद्दिवं सत्तं च । यथा तव सद्दिवं	सात्त्विकलक्षणमस्ति तस्य । स्मितकायकृत्तवृत्तयामस्तद्विद्यं सत्तं च । यथा तव सद्दिवं सत्तं च । यथा तव सद्दिवं
--	---	--

ना तस दत्त आ य न ला वा । अ न्या दि य त स ल स व धि मा वि य त ह य ल य सं त वा श्र य त म दा ह त ह अ रू त सं त वा श्र त स्मा त्म दा ह त त या य कि ।		
ति ता वा त स्मा च रु ता हि अ सं त वा श्र अ	५ अ ५ वि य मा न क दा वि वि य त अ वि य त	ह य ल य सं त वा श्र । अ वि य मा ने व म वि
य या व त स्मा त्म या ड क अ वि य र मा । सं	स्का र वि क्त न स ना म रू यं ष ड य त स्य श त	त्ये व व द ना । ह स्मा ड या दा त त था त व २१
ता दा ति क वा म र हा श्र क ड य द या नां । द	ह स्मा नि सं स्का र अ वि नि त्ति या नि सं सा र व क ।	च य था लि ता नि । अ रू त मं रू त अ म स
वा श्र अ या ति श श्रि त वि वा र लं त था दृ शी ग तं द्वा स्य य आ त ना क्त ना मि ना वि द्य यं क्त म दा लं । क्त आ ल यं य स्य य स्य रू तं म दृ स्य यं तं वा		

धि गु रं शु दा रं । वि दृ तं व म अ मृ त य र स्य द्वा रं म द श्रि तं अ मृ त य र स्य सा द नं शु व क्त त अ मृ त य र ल य अ नं । त थि य हं अ मृ त र म न आ त		
त ना य वा रु ता म व र धि म र ती । आ य वि	ता मा । व र धि म सं ख ह य दा ति ता म व र धि	म ड ल्का र व धि त म व र धि म व र धि । य वा
कि ता म व र क्त म स य व श ड द्वा यि ता म ध	म ध्व डं क न क रं य ता रि ता म स त्व र व म ।	मू डा श्र यि ति ता नि म नी थ य य य था नि
। क्त श्रा नि दा रु म म थि त्व या रि तां । य स्या	य य व म रु म न क क ल्या अ वि नि त्ति या यु कि	त ना य का हि व रित्वं वा । वा य दृ दृ व त
न स द्वा म का य य वी य य मा ता रु स्तो व या दो व य रि त्थि कि त्वा धि व दि न थ म शि मू क्ति रु य रं न य ना रु मा ग यि य य म । म व स्य वे दू य वि		

विजयताति ॥ द्विदिवा विमाद आयां सव वृद्ध ह तावत स्थिति ता ॥ सव वं धं व शी वृद्धं स्रष्टा यि ता व स वं क था स्रष्टा व जा य मं ॥ द्रष्टा व शि क वि	विना य धं व शी वृद्ध स मा नि गा स व स ता	जिन क ति क्रा त व त त त न वं स स वं ग
ता नु या व दा क स मा व वं ॥ वि स क्रा ता ग	क द र्था य वृद्ध न नु स क्रा त य स मा स त ष	अ त क क ल्य का टी य न स क्रा त रा यि ॥ २३
रा यि तं स क्रा त नु क्रा तं कि न स य ॥ रा	क म स य वृद्ध बा ऊ स न ता य वि व क्रा ता म	य स्रष्टा ॥ - ॥ अ य स्रष्टा ॥ ० ॥
तुं द्र वि त् ॥ ॐ ॥ ॥ स्रष्टा य ता स	व स्रष्टा म दा बा ऊ ध त ग द्या म दा बा ऊ वि वृद्ध का म दा बा ऊ वि वृद्धा का म दा बा ऊ उ द्वा स न त्वा रा कां अ त दी व बा ली या वृद्ध द कि ॥	

रा क्रा त नु स यु ता नि स्रष्टा यि थां य ति द्वा य य त त ग वां क्रा तं क लि य रा अ त ग व न्त म त द वा व त्ता अ यं न ग व रू व स्रष्टा य ता सा त्म म स्र वृद्ध बा ऊ ॥	व ला वि त ह स व त था ग त म म द्वा ग त ह स	व द्वा धि स त्वा रा त न म क्रा त ह स व द व य
स व त था ग त ता यि त ह स व त था ग ता	स व ला द या ल कृ त ह स वि वि न व शि य त	ह य स्रं सि त स व द व रू व ता ता सि त ह स
कि त ह स व द व द ग रा स य रु व क ह	क ति श क या नि य म ला क द ह स सं आ य	क ह स व र य य ति स म त ह स व य र व क
व स त्वा य र म स य य दा य क ह स व त न	य ति नि व रू क ह द ति क का ता य य स म ता या धि का ता य य ता स का ऊ न स व य स्र ह य का स क ह य र म स्रान्ति क व ह सा का या स य स्र म ता वि वि	

धनातायदवयुमशिता ॥ ५ ॥ यदवसतसहययनाश्रिता ॥ ६ ॥ मस्यतदन्तगवन्तसूवस्ययतासात्तमसूवदुगादस्यतयांवसूवदधिरकायां
 वित्तपलाययदिसंयकास्यमानस्यास्मा ॥ ७ ॥ कंचनुश्यांमहागजानांमस्यलयविवागः ॥ ८ ॥ त्या ॥ यतनवधिमस्यवशानधमाशुतपस
 नवदिशात्मसावमहुरुमाविवद्वयिष्य ॥ ९ ॥ न्ति ॥ मस्याकंकायंचवतंतवह्ममवमरुति ॥ १० ॥ तंतविद्यति ॥ तजह्वयियंवतस्त्रीआसा ॥ २४
 कंकायमादिशन्ति ॥ वयंनगवन्चत्वा ॥ ११ ॥ गजानाधमिकाह्वधिमवादिनस्यधमा ॥ १२ ॥ जाधमस्यवयंतदन्तगवद्वनागयक
 गध्विद्यासूवगवुकि ॥ न्नपसहावगायां ॥ १३ ॥ गजानंकाययिष्यामहन्तवयंनगवन्चत्वा ॥ १४ ॥ गजानाहसाधमह्याविंशतिमहासनायतिनिवत

केचयदसतमहसे ॥ १५ ॥ सतनसमितंमस्यकसूदीयंदिव्यतवद्व्याविमुदनातिकान्तमानुशकनयवलाकथिष्यामआवकथिष्यामहयविद्याययि
 यामहन्तनहनुनात्तदन्तगवन्नास्माकं ॥ १६ ॥ वनुश्यांमहागजानांलाकयालग्तिमंक्रत्या ॥ १७ ॥ दितांयकविदन्तगवन्गस्मिंदसूदी
 यविदयासा ॥ १८ ॥ यवदकायायहतात्तविः ॥ १९ ॥ यतिदन्तिदकातावयावतानाविधिबुयद ॥ २० ॥ वसन्तवयदवसहसेवयदवसतसहसेः
 वयदुतात्तविद्यति ॥ २१ ॥ तवयंतदन्तगव ॥ २२ ॥ सत्वावामहागजानस्यसूवस्ययतासात्तम ॥ २३ ॥ स्यासूवदुगादस्यतयांवसूवदधिरकायां
 तिदशांसंवादनांकाविष्यामहन्तवयंनगवन्धमासायांतिदवाह्मकांचनुश्यामहागजानांसंवादनावद्धाविद्यातनवययुविद्यय

यथसंक्रमयुक्तप्राविष्ययुवमंयसुवयनासात्तमसुवयनाद्विस्तारयसंयकादययुक्तयमसांन्यवयनालिविषयगतानिनाताविधायुयदव सतानिडयदवमहसायुयदवसतमह दवाधिसतानकाडयसंकातातविष्ठाति द्वध्वकाणांतिद्वयांसद्वयत्यधिकृत्यज वाकात्तस्यमनुष्यवाक्यसद्विविषयगतानांरसत्वातांआवकांविष्ठासहयविनाशयविगहंयविशालनंशानिस्वस्त्ययनंकविष्ठासहयदाव	आलिवयसमयिष्ठातिरयसवतदत्तनग अयंमनुष्यवाक्यमंसवयनासात्त रकांकायात्रयविनाशयविगहंयविशालनं रकांकायात्रयविनाशयविगहंयविशालनं	दमनुष्यवाक्यविषयतसुवयनाद्विस्तारयसंयकादययुक्तयमसांन्यवयनालिविषयगतानिनाताविधायुयदव मसुवयनाद्विस्तारयसंयकादययुक्तयमसांन्यवयनालिविषयगतानिनाताविधायुयदव क्रयात्तवयनदत्तनगवचत्वायामहा क्रयात्तवयनदत्तनगवचत्वायामहा
--	---	---

२३

नदंतनगवमनुष्यवाक्यसुवयनाद्विस्तारयसंयकादययुक्तयमसांन्यवयनालिविषयगतानिनाताविधायुयदव मनुष्यवाक्यसुवयनाद्विस्तारयसंयकादययुक्तयमसांन्यवयनालिविषयगतानिनाताविधायुयदव द्वध्वकाणांतिद्वयांसद्वयत्यधिकृत्यज दवाधिसतानकाडयसंकातातविष्ठाति	नदंतनगवमनुष्यवाक्यसुवयनाद्विस्तारयसंयकादययुक्तयमसांन्यवयनालिविषयगतानिनाताविधायुयदव मनुष्यवाक्यसुवयनाद्विस्तारयसंयकादययुक्तयमसांन्यवयनालिविषयगतानिनाताविधायुयदव द्वध्वकाणांतिद्वयांसद्वयत्यधिकृत्यज दवाधिसतानकाडयसंकातातविष्ठाति	नदंतनगवमनुष्यवाक्यसुवयनाद्विस्तारयसंयकादययुक्तयमसांन्यवयनालिविषयगतानिनाताविधायुयदव मनुष्यवाक्यसुवयनाद्विस्तारयसंयकादययुक्तयमसांन्यवयनालिविषयगतानिनाताविधायुयदव द्वध्वकाणांतिद्वयांसद्वयत्यधिकृत्यज दवाधिसतानकाडयसंकातातविष्ठाति
---	---	---

सच्चादित् यतिवधिका हसच्चसत्त्वानां सचदित्ता यसं हसति यत्कात्स्युयं वत्तायामहाबाजा न हत्तं वां मन्थय गजस्य वरु वरु यना सात्त मसत्तदवा रु	अत यतिनायं यतिशुद्धं यतिशालनं शान्ति	स्वस्वयनं कविश्रुतं ततयुष्मातिस्वतुः
स्ययज्ञासत्ता गतिरुक्तातां मावकां कविः	मत्तमरुसेरती तानागतं यत्तत्त्वनाताम्	दानां न गवतां धिमान् नीमा रक्षिता रविश्रु
महबाजे हसचलय विवावे रतकोश्वयद	तिरुततयुष्माकं वरुष्मं महाबाजातां मां	वल यतिवा माणां मनकयां यक्ष सत्तसद
नियतिशालिता ययतिशुद्धी तावतविश्रु	आखांदवा नाद वासु रसंगा मसमतिरुहानां ऊ	या तविश्रुतिरुत्तराणां वयमाजया तविश्रुतिरुययतमत्ता हसच्चयववक यमथकस्य सत्त

२६

स्वयनासात्तमस्यसत्तदवा रु स्याथा यत वां सत्तदधिवकाणां निद्रातिरुक्ताया सकायासिकाता मावकां कविश्रुति यतिशुद्धं यतिशालनं शान्ति	जाधृतवाक्षामहाबाजा विरुक्तामहाबाजा	विरुयाका महाबाजा उल्लया मन्थय शका
स्वस्वयनं कविश्रुतं ततयुष्मातिस्वतुः	शुलानि युथियां यतिश्रुयथतत्तवात्	स्तनां कलिं यश्रुतवावकमतदवा वः
शान्तिवी ववे हयावृत्ता दक्षिणातिज्ञान्म	मसत्तदवाजा इनागतं धिनियज्या मन्तवाव	तिगमजत यदना ह्मबाजा धानी युयुव
तुत्तयं तदकत्तवा वरु वरु यना सात्त	विश्रुतिरुयस्या मन्थय गजस्य विषय मन्थयाया तविश्रुतिरुकाश्चिदुदत्तं तवावमन्थय गजस्य सत्त	

26

व्याख्यानानां यद्वदन्तानि तांश्चाक्षय्यसन्तानितवयुः शस्रवत्तदकल्पावसावककथयति शक्रराजश्चतुर्वर्गीनि संतांश्चाक्षयित्वा यद्वदन्तानि
 यत्तद्विषयां निष्क्रान्तास्तव त्रयं यज्यं सूत्रं
 तद्विषयसूयसंकां मित्रुकां यावत्तद्विनाः
 केशकृपाद्वसतसद्विषयसूयसंकां तावत्
 व्याख्यानानां यद्वदन्तानि तांश्चाक्षय्यसन्तानितवयुः शस्रवत्तदकल्पावसावककथयति शक्रराजश्चतुर्वर्गीनि संतांश्चाक्षयित्वा यद्वदन्तानि
 यत्तद्विषयां निष्क्रान्तास्तव त्रयं यज्यं सूत्रं
 तद्विषयसूयसंकां मित्रुकां यावत्तद्विनाः
 केशकृपाद्वसतसद्विषयसूयसंकां तावत्
 व्याख्यानानां यद्वदन्तानि तांश्चाक्षय्यसन्तानितवयुः शस्रवत्तदकल्पावसावककथयति शक्रराजश्चतुर्वर्गीनि संतांश्चाक्षयित्वा यद्वदन्तानि

ता संकविशति पुमथयल्लनगवांस्तयां वतु नो महा राजानां सा धु का व म दा नु सा धु ए महा राजा ह मा धु लु यु न यु व्या कं महा राजानां य श्र य म स्या म संख य क ल्य का टी नि य त स त स रु अ स अ य ता सा क्त म स्य स ल द वा ड स्या सा रु द्या वा ड क्त लानि तानि च न ग वा ति तानि व वा ड्वा नि स्य स्य य नं क वि श्य कि १ तानि व वि य यानि स च न या य द वा य म स्या या या स्य ह य वि मा व थि य य य व द का ति य नि व ल थि य य १ स व द मू दी य वा	मू दानी ता या अ न ल वा या ह स म् अ क्त वा धे व मा व द्वां क वि श्य ति य वि ना तां य वि ग रं य वि हि तानि व वि य या ति आ व द्वा थि य य वि ना ल	या य त्वा १ म न्थ वा डानां म स्य व स द या व तं सा नि स्य ल्य य नं क वि श्य य तानि व य वि ग रं य वि या ल नं द लु य वि हा व सान
--	--	--

२३

तानां वा स्य म न्थ वा ड स्य अ क्त ल द्या न्त लु न या वि ग रं या वि वा द या ड ल्वा क्त मा य य थ १ य था व त् य व्या कं व तु स्यां महा राजानां स च ल य वि वा द यां अ च सिं ड मू दी य त य व नु य न ग ल स रु अ य ता य रु ता व द न क्त ल्वि न य व स्य व न वि रु प त य ह स्य न व वा र्थ स्य र्थ ता व नु त्तो न व य ह य व नु व शी ति व वि य य न ग व स रु अ य १ तानि व लु व शी ति वा ड स रु अ हि य व स्य व ता हि त वि क्तानि म त वि क्तानि मू द्वा वि क्तानि य व स्य व स्यां	नि व लु व शी ति न ग व स रु अ हि त वा र वि य य य ह न य व स्य वं वि रु पं क्त न य य ह स्य न य न व य स्य र्थे व ता वि ता स्य य न थि य य वि ना	य य नि व म य ल्ल न व वा र्थ स्य र्थ ता ति व म य था स्य वं क मा य व य न ग ड लं य ति ल सा य य वा क्त म य ह य सा या सिं ड मू दी
--	---	---

मनुष्य वाक्य नमः साक्षात् मनुष्यत्वात् तस्या हत एव साक्षात् बुद्ध्या विंशत्या महाविषय लक्ष्मीणां यद्वा कृतं तद्विषयिणी न तत्र मनुष्य मरुता तीताता
वाक्य लक्ष्यता ता वद्वानामनकाया तथा वाक्यानां काठिनियुत सतसहस्राणां मविः
काकृता तद्विषयिणी न तत्र मनुष्यत्वा कस्य महत्या वद्वानां तद्विषयिणी न तत्र
या लत दष्टु यरिहा वं मरु यरिहा वं सात श्रौतिस्त्वस्य यनं कृतं तद्विषयिणी न तत्र मरु
वाक्य कृतस्य वसवस्य महत्या वद्वानां तद्विषयिणी न तां यविषयं यवि या लतं साकित्यस्य नं कृतं तद्विषयिणी न तत्र मरु कृतनिवासि न्यस्य

३१

सच्चदवताडाका वक्तु वाच्यचित्तं तस्त्वसो मनस्य तसमन्वागता तद्विता वावति मनस्तद्विषयिणी न तत्र वा द्वाति ताति यवि विहितं तस्त्वसो मनः
स्य तसमन्वागता तद्विता वावति मनस्तद्विषयिणी न तत्र वा द्वाति ताति यवि विहितं तस्त्वसो मनः
कानि वस्तु विषयिणी सच्चय ववका तवमह
द्विषयिणी सच्चय ववका तवमह
धिवमनक्ष विद्या नववृद्धि वस्तु या दृष्टं तना तालं कावस्तु विहितं तद्विषयिणी न तत्र मरु कृतनिवासि न्यस्य

लकाठिनियुतसुतसुहसातांलानिहविद्यति।यावन्तिमत्तयदानविकमिद्यति।तावतांवेवदृष्टक्षमिकानांदुचिद्विन्नमहतावा
अस्यर्थेयविबद्धिअतःअनककल्य काठिनियुतसुतसुहसातामूदावादा वातांवावह्यतातासुयवत्तमशाना
दिव्यविमानांलानिहविद्यति।अनक यांचदियादावातांमान्शकानांवाऊय जुसुतसुहसातांलानिहविद्यति।
सुवृत्तजानिषुमहस्योयाशानविः यति।दीयायुक्त्यतविद्यतिविज्जीवी चतविद्यति।यतितातावांश्चादयवः
यनश्चयशस्योवसविशालकीलिश्चयसनीयह्यतविद्यति।सदवमान्वासस्यलाकस्यस्यितश्चतविद्येति।उदातावातांवा

33

दिव्यमान्शकानांलानिहविद्यति।महावज्रसुतसुहसातांलानिहविद्यति।यहयासादिकादसनीयहयमशानुतवस्यस्य
अततयासतवागतसुविद्यति।सच नकातिषुतयागतसमयक्षानगतात विद्यति।सुवृत्तकल्याणामितानिचयति
रय्यतः।अयविमिनस्यस्यसुध्वयवि गृहीतातविद्यति।रुनांयववयाता महुमाजागुतातुस्यानिसुंयशमान
तततवाहृक्षमनानकावाहृतायत्य लतशुशतस्यधिसानकस्यानिकेसा लसंज्ञात्यादयितुशुशरावविरुमूया
यशितयः।अयममशानुतनिरुथागता इहंसयासुवृद्धमूहंवाहृक्षतयवयति।अयममशानुतनिरुथागताहंसयासुवृद्धमूहं

दृग्गुणलक्षणतमनसि शतसंख्यला कवियत्नी कश्चि सञ्चल आशामि अद्याहमननधमञ्चलानावेवकिकातविश्यामनूकना
 यांसमासंवाध्वी अयमयातथागत
 त्यत्नातावेदनां तगवता सविद्या
 नियमला कदूरयाचनसहसमहिन
 वयतिलक्षणां यस्मत्तुलवीकाचवद्वानितविशानि अयमयातकानां सकृत्काठिनियुतसतसहसात्मतावयतिलक्षणां कृश

३४

लमूलाचवद्वानितविशानि अयमयातकानां सकृत्काठिनियुतसतसहसात्मताववीकाचववायितातविशानि अयमयात
 कानिसत्त्वकाठिनियुतसतसहसात्मता
 कय्यस्वस्वहयविगुहीतातविशानि
 समविशिष्टानुत्तनामरुतीमानिहकृता
 नितस्वानुत्थितस्वानुत्थितकश्चि सञ्चल यवकातवसहितस्वानुत्थितस्वानुत्थितयायासञ्चलविशानि यदावमदावाकाहसमनयागजानेवद्व

द्वन्द्वकाठिनियतसतसदसातिथितिष्ठितास्तथागतसंवर्धमनातकंसमन्वाहविशंति। साधुकागतिवयदास्यतिसाधु। सत्यव्यासाधु नत्वंसत्यव्ययत्वमिममवयुयंगशीवम मंसुवदुवाङ्गविस्रवतासंयकाशयिठु यतासाकमंसुवदुवाङ्गज्जसहसाश न्कियथायाश्रान्तिविरुतवावयवदिसंयकाशयिथान्कि। दशयिथान्किउद्विक्किस्वाध्यायिथान्किशान्तिआमनसिनावयिथान्किपतकस्य	वंगशीवायंसंवंगशीवावतासवावमविन कामशानवेतसत्वास्तननकुशलमूलन नियागवागृहीथान्किधारायिथान्किवलि शिथान्किलिखाययिथान्किवाययिथान्कि शान्तिआमनसिनावयिथान्किपतकस्य	३६
---	---	-----------------------------------

हताशसदयवतानास्ययुवयस्यसवक्षयतासाकमस्यसुवदुवाङ्गस्यानकानिवाधिसत्वकाठिनियतसतसदसाश्रवेवलिक्कानितविद्य न्किगतत्तवायाहसमाकंवाधिशान्ति तसतसदस्यनकानितथागतकाः समयनेकयदनेकवावेकखवतिधा त्वंसत्यव्यानागतध्वनिवाधिमस्युयदशयिथान्किलिखयवधिमस्युयवागतादसवाङ्गमूलायविद्यहसवनेलाश्रयतिविशिष्टा	यथल्लतानिसमन्वाहसमादिद्रुगंशान णिनियतसतसदसातिस्वकारसुवद यतासुवधमनातेकस्यतिद्रुधधमास शिथान्किलिखाययिथान्किवाययिथान्कि शान्तिआमनसिनावयिथान्किपतकस्य	दीवालकासमसुवद्वद्वकाठिनिय क्ययुयतिष्ठितानितनकालनतन नगतस्येतद्रुषाडयसंवातिथान्कि शान्तिआमनसिनावयिथान्किपतकस्य
--	--	--

अकि ॥ तत वा व ता न ता स्मा कं त व ता न ज व ता सि ता नि त वि श्य कि ॥ व क्र ता ह मा हा य त ह श्र क स्य द वा ना मि द्र स्य स र त्व त्या स्म म हा द वा
 दृष्ट या स्म म हा द वा ह श्रि था स्म म हा द वा ह स क य स्य व म हा य क स ना य त
 ना म ह स्म व स्य च द व य न स्य व द या ता स्म म हा य क स ना य त मा वि त द स्य
 स त य वि वा ना या श्र म न त य स्य व ना ग वा ज स्य च त या त द क र ग व स्य वा र त व
 वी कृ ता ना ग ध ध्य व र वे र ता च वा ति सं स्म स्य कि ॥ द वा नां श्र ना ना ग ध ना या स्य कि सं व स्य व स्य म या श्र व ता सा ह य द न वि श्य कि ॥ त या

३७

वा व ता म या स व न व ता न स वे ना म ता र वि श्य ति ॥ य व म कृ त ग वां श्र लु ना म हा म हा त त द वा च त ॥ त क व र य म्मा कं च लु स्यां म हा म हा
 नां स्य वा र त व न ग ता ना म य श्र क वी कृ ग ता नि ना ना ग ध ध्य व ता च वा ति सं स्म
 म हा वा जा कृ न म न श्र वा कृ त ना ग ध म्म स्य व स्य य ता मा कृ म स्य स व द वा द
 स्य वि श्रु दी ता ना ना ग ध ध्य व ता नि स्म वि श्य कि ॥ त न कृ ता त व म कृ कृ त म द
 धि तो ॥ य व का णि स तं व द्या तो का णि स तं स म व द्या य व त मा जा नां का णि स तं व क वा डा म हा च क वा डा नां य व त मा जा नां का णि स तं च लु

मरुत्तरीचमहादवी श्रीमहादवी हृदयस्थिविद्वीता संजयमहायकमनायतिर ह्या विंशतिमहायकमनायतयचमहस्वरस्य
 दवयुजावक्यातिशयैकुकाधि यमातिनदश्चमहायकमनायतिर हदावी तीवयंयज्ञसतयविवाभाजुनवतक
 अतागवाङ्ग सागरवतागवाङ्गशज इतिश्नकातिरदवकाहिनियुतसतसः रुमातिजहृशोवातावेयनतस्यमान
 अवाङ्गस्ययनुतनातालंकारसमालं कृतंवाङ्गकृतंयनुतस्यधियातावाकस्यति क्रुष्टस्य्याति कोझायंथिवयां श्रीवयः
 गुहीतंनानालंकारसमालं कृतं धिमासतयकृतं ननुधिमञ्जवलायतवयंनदकनगवाह्यत्वागमहावाङ्गमनकेयकमनायतसहजेवतिश्रु

४१

सवेहसाक्षं समयातुविद्यामस्यसन्त्यावाङ्गस्यकल्याणसंयायकस्यानूक्तस्यमरसादारदा लुहाजुननधमासुतवसनसंतथितारुसक
 हतस्यसन्त्यावाङ्गस्यवकांकारिविद्यामहयमी जातंयविगुहंयत्रियालनंसाकिस्वस्य यनंकेविद्यामहातस्यवाङ्गकलस्यवन
 गवस्यवविषयस्यववकांकारिविद्यामहायनि जातंयविगुहंयत्रियालनंसाकिस्वस्य यनंकारिविद्यामहातश्चविषयसुवायदः
 वासैयेगायायासस्यइयविमावयिष्याः मण्डितंयहकाश्चिद्दकनगवंमनस्य वाङ्गान्वयस्यवमनस्यवाङ्गस्यविषय
 यहसुवकायनासाकमस्यसुवदवाङ्गस्ययववतयदावासात्तदकनगवंमनस्यवाङ्गसुवकायनासाकमस्यसुवदवाङ्गस्यविषय

कातिरुतिरुच्ययासकायासिकानाकथा नमानयंनयुजयदस्माकं वशां मदावाजानामनकातिरुकाहिनियुतसुतसहसात्रनका तिधमअवहानाशतनधमाशुतवसन वास्माकंवीशं वल्लमववचंयसंजनय वंशत्वायासहवाजाहसम्वयविवावा गवाविषयमस्माकंमयकतहसम्वयविषयवासिनादोहसमवाकंविषयंडयककिदवताअतदकनगवंतविषयमयककितक	नसंतययनयतिमानयदिमानिदिः कुरुसाअशीयशुलकीयास्माकं वा अतकेशककाहिनियुतसुतसहसे	शात्मतावानिमहताकसातविद्वयन ययुतविद्वयंत ५ त ५ तयिदयंतग रुमेवेविषयवकां कविश्यामानकन तदकनगवंतविषयमयककितक
---	---	---

६२

नविषयनानाविधाविषयविलायातविषयकिदावृत्तानिचक्रसंकातानिनविषयकिस्वविषयगतानिचमत्त्वानिकलजोहेतानित विषयकिनखुनजातानिविशृष्टानि जागतास्वाल्कायाताहयादुताविषय माकयादशिष्यकिवखुशहाअसवि गतोतविषयतहाडल्कालातसहस्रवस्मनियविचसेकानिगगलाकवकालनकालयादुताविषयकि। अथिवाकंयाअतविषयकि	वादमायनानि। नानाविधाअग्रहवा कि। गहनकजाशिवयवखयवाविबुद्धाः अकिस्वयग्रहाअसततसमितंमगः	गाविषययादुताविषयानि। नानादिश्या निरविषयकि। मययतिपुयवालिचम ताकवागतामयचयमसाताहकथ
---	---	--

महताङ्गसाविवृद्धयित्वाति॥तत्कस्यदृताय	यद्दकसुगवस्मृतमनश्चगङ्गावस्यमयंसुवसु	यत्तासाकससुवसुगङ्गाङ्गातश्चयाव
नितदकसुगवस्मृतलोकिकला	काकवातिवताताविधितिसासायुय	दशितानि॥यावकिचश्चकतादवदुतान
ताविधितिसासायुयदशितानि॥याः	वकिचताताविधिर्यंवातिङ्कमयिति	लिकिकलाकाकैलवातिवसत्वानांमुष्ण
यसासायुयदशितानि॥सदकसुगव	रुत्यावसुवसुतसदसत्याश्नकत्य	श्चमककाटिनियुतसतसदस्यस्यस्य
स्यश्चयवातिङ्कस्यशिकाटिनियुतस	तसदसत्यावताङ्गातश्चविशिश्वतश्चमंसुवसु	यत्तासाकससुवसुगङ्गाङ्गातश्चयाव

४४

तामथायसंयकाशयित्तयथायंसचकसुदीयगतातांमनश्चगङ्गातांगङ्गातंकाशयित्तं॥यथावसचसत्त्वानिसखायितानितवकि॥य	यथावसचसत्त्वानिसखायितानितवकि॥य
थावसचविययान्त्योडिताश्चरविश्यानि	नितविश्यानि॥यथासुखीरुतानि॥
यथातविययान्त्यथासास्ययथाच	कि॥अन्यदृतास्ययथातमनश्चग
कृदस्यसुविश्यायमदृतीधम्माल्का	यथावसचदवतातवतायदीयिता
नितविश्यानि॥यथावसचदवतातवतायदीयिता	यथावसचदवतातवतायदीयिता

दवगता हसकथिता न विद्युनि संय सादिता ॥ यथा वा स्मा कं काय महकं वीश वलं वल्ल मंय संक नितं न विद्युनि ॥ यथा वा स्मा कं
 काय तज्जल श्री अरु य स्मा मावयाः ॥ निति विमति ॥ यथा वरा वरु वृद्धी यरु ॥ सुनि का न विद्युनि व मति यश्च वरु व
 नी कीरु मनु अश्च यथा वरा वरु वृद्धी ॥ यगता नि सत्त्वानि सखितानि न विद्यु ॥ कि नाना वति मनु न विद्युनि ॥ यथा वः
 सत्त्वानि क वा क ल्य का णीति यु त्त स तस ॥ ह साति म विद्या नु या वा वा निसु ॥ स्था न न विद्युति ॥ वेदेषु न ग वरि ह
 सादिस म व क्ष न ग ता नि न विद्युनि ॥ नूना ग त ध न्य नूत न ग य क्क म्वा धि म ति सं सा त्य न ॥ त त्म च स त हि न ग व ता त था ग त ना दे

४३

ता स य क्कं वृद्ध न म ह ता वा नु य्वा व ला धि शान न स क का णीति यु त्त स त स ह सा ति दि आ ति व क त व नूत व त था ग त क्त न ना ता वि क्षा न व
 सा च यं वा ति क्क शि ग ता का णीति यु त्त स ॥ त स ह सा ति वे वा स य क्कं वृद्ध न व क्त व
 त था धि शान न स त्त ग व ता त था ग त ॥ ना ह ता स य क्कं वृद्ध ना य स व श्च य ना ॥ का णीति यु त्त स त्त स ह सा ति व क व त
 सत्त्वाना म य्वा य वृद्ध वृद्धी य स य का ॥ सि त्त स म नु य्वा व र न स च वृद्धी य ग ता ॥ सा त्त म ह स वृद्ध वा डा वि त व ता स च
 ति ग क्क सा क्क ति वा ड व क र ता नि ति या ता नि ॥ य वि म स त्वा ह स खिता न विद्युनि ॥ ता नि स च्चा ति न ग व ता त था ग त ना ह ता स य क्कं व

कनायं सुवशु य ता सा क म सु व द ग ड ड य द शि त ह य वि दी यि त ह सं य का शि त ह त न त द क न ग वं ह रु ना त न य त य न ॥ त न म न थ वा क ना ५ व शं म यं सु व शु य ता सा क म ह ग वां अ रु वा म हा वा डा न त द वा च न म न थ वा डा म थ सु व शु य ता सा क म ये व ता अ म ह वा डा ह सु व द शि व का रि द ति रु न्थु या स का या सी का व द न्द न मा वा ल्य द श क १ द व मा न्थु या सु व शु ला क थ व द न्द	सु व द वा ड ह स ह्वा ल्य स मा न यी त वं शं १ त न हि व ५ स ह्वा ल्य आ त य ५ त्वा वा म ह थ सु व द वा ड थ थ ह्वा ल्य द शि त ह या शि का ना मा व द वा क ल थ ॥ य वि व स व द थि व का रि द ति रु न्थु या वि लो ह मं सु व शु य ता सा क म	स ह्वा ल्य सं य द शि त थ ह्वा ल्य वं मू क न वा डा ह स व व य वि वा वा श ज व स थ क य ६ थं स ह्वा क मो लं व क वि शि ति व द्वा य या ल नं थ वि ज्ञ थं थ वि ग हं द थु य वि स का थि सि का जा व कि ता रु व थु श ज न सु व द वा डं वि स व ल स ह्वा लं सं थु वा वि न्थु या का म हा वा ड ड ह्वा ल्य स न थ य वा सा
---	---	--

त्या नि क रि थं ति १ मं सु व शु य ता सा क म सु व द वा डं वि त व ता सं थु वा अ थि थं ति ॥ ज व थं थु थ्वा रि च रु नि स हा वा डे रु थं सु व थु थि व वा लं ति रु नि रु न्थु या स का हा वं शान्ति स थु य नं क ल थ ॥ य थ ॥ ली डि ता म न थ मं मा या या सा ह स थ स थि न्थु ॥ म थ थ ल वं अ व ल म हा वा डा ह त वा थ्वा म हा वा डा वि न्थु का म हा वा डा वि न्थु या का म हा वा ड ड ह्वा ल्य स न थ य वा सा	या शि का ना मा व द वा क ल थ ॥ य वि व स व द थि व का रि द ति रु न्थु या वि लो ह मं सु व शु य ता सा क म	या ल नं थ वि ज्ञ थं थ वि ग हं द थु य वि स का थि सि का जा व कि ता रु व थु श ज न सु व द वा डं वि स व ल स ह्वा लं सं थु वा वि न्थु या का म हा वा ड ड ह्वा ल्य स न थ य वा सा
---	---	--

वज्रकुम्भीयस्यितानिहवकिमचेसत्त्वानि।यस्यनास्तिनयतद्विषययियतात्मसोऽस्यायियतावगाहर्तुमोऽस्ययियतावसातशरून।	वज्रानिवक्तनकवञ्जुनकवञ्जयवमरुः।	यथासुतरुवशयवमसुरुकवायंसुः।
सुजिह्वय।यवमसुनसंक्रयंकव।यव	गुतासंतवहसुगुरुससुशतद्येवायंसुन	दुगाहकादहृद्यागाहगुतादीतां।यथ
वज्रगाहशयथाकृष्टकवृचिवशसद्य	तरुवायहवतां।तद्येवायंसुनवदद्यागु	तासस्यदातारुवत।तवयुतीनांयद्येव
शीतरोहिमसवीलंयन्मातृयतिलस	हिनलकैललुहसववलाकवशकवसुवसुशतद्येवायसुनदुगाहशसुवशयसासाकमानुयगतातांदवगतायेचितायंदवदुतान	

४६

गत्कृतंश्रुतुदशगावदितस्त्रुकिमरुद्विकेलाकयालेषावृद्धिदसदिमास्यमदासमन्वाहतायंसुनदशसुनमिददशयतहसा	तिवद्विकिविषयंदसमदिशासु।	यकिरुतुमिदंमयमदितविलाहय
धिकावंददकिमसुद्वाशयकसुतसदसु	दवगतानि।तुसचदवगताहृष्टय	नुसनुमिदंयमदिशासु।तदावलेवीथ
दृष्टासु।कुम्भीयगतानिविविकानिः	सावदवकायांविद्वद्यिश्चकि॥अथ	यलुचलावामहाबाजारगवताइतिक्
वलंलतत्ततनधिमयवतान।महताय	दिसाशवंतूयागाथाहृष्टाचययाहावरुवशमुरुतयाहाडदिल्यायाहासुधमवगता।मदुक्तमानंयमदितागुयासुतिवय	

वक्तृशामास हतवसमाने हसविले हय कृपितिवंगय त्वंगे वदित्यनधीतिसखसो मनस्य नम नवागता रुत्वा युत मयिरु गव कंदि शु	किचित्वायुकिचित्वा लु या सतत्यशकां	सातिवी व गति या वदित्वा दक्षिता डा
मां दारव कृ स मे व वा कि वा कि स ॥ अ व	न ग वां कृ तां कृ त्तिं य वा म न ग व क	म त द वा व न व यं म यिरु ग वं रु द क
नमस्युतातिष्ठथि आं यतिष्ठा ॥ अ य ता	ह य कृ ॥ य द स त य वि वा बा धि म ता	नै क स्य ति क्ता ह स दा व द्वा स वि द्या म
वत्वा ग म दा वा डा श के क म दा वा डा	॥ स व सु य ता सा क म स त द वा क व लु म हा वा ड य वि व ता ना म स सु म स	
तंधि स ता ता क मा न ता य य वि या व ता य व ति ॥		

४९

म ह्य ॥ अथ खलु स व सति महादवी श कां स दी व र या वृ त्य द क्षि त्वां डा न म सु तं ह थि या न्य तिष्ठा अ य त न ग वा कृ तां कृ त्तिं य ता	॥ अ हं म यिरु द क न ग वा स व सति महा	द वी त स्य धं म ता न क स्य ति क्ता द्वा कृ ति
श ॥ ॥ रु ग व कृ म त द वा व न	था मि ॥ धा व तीं वा नु य द था या मि स ति व	क व वा तां ता व स ता व थि या मि ॥ म हा
रु य ता था य य ति सा न क म य स ह वि	क वि या मि ॥ या नि का नि वि त्य द यं कृ ता	नि गृ त ह स द लु य ता सा क म स व द
क व धि स सा न क स्य ति क्ता रु ता व सा स		
वा डा त्य वि उ द्वा ति न वि थ कि वि स वि ता नि व ता न्य हं स द्वा ति त स्य धं म ता ता क स्य ति क्ता ह स ति व कृ य द यं कृ ता न्य य स ह वि था		

मि० क्ष० व० ती० च० न० य० दा० त्या० मि० सु० ल० सं० य० मा० य० ला० य० य० द्या० वा० यं० स० व० सु० य० ता० सा० रु० म० व० सु० व० द० वा० रु० ह० त० यां० व० द० स० ह० आ० व० न० य० क० स० न० म० वा० नां०
 स० त्वा० ना० म० या० य० वि० वं० क० सु० दी० य० य० व० व० त० ॥ न० व० क्रि० य० म० क० धि० य० य० त० ॥ अ० न० का० नि०
 व० द० वा० रु० अ० त्वा० न० वि० त्वां० ल्य० मि० ह० य० क० न० व० य० ह० अ० वि० त्वां० व० ह० न० रु० धं० य० ति० ल० सं० त०
 आ० ति० ता० न० गु० रुं० चा० य० वि० मि० न० व० य० य० अ० रु० न० व० य० ह० स० च० सा० रु० क० स० ला० स०
 सं० य० ह० स० ना० न० क० म० ना० यि० ध्या० मि० त० स० धि० म० ना० ता० क० स० य० नि० द्वा० रु० यां० व० धि० म० अ० व० ति० का० नां० स० त्वा० ना० म० या० य० स० च० य० रु० न० रु० न० क० न० म० व० ता० यी० अ० क०

३०

लि० क० ल० रु० क० ल० य० डि० म० डा० म० व० द० ह० ल० य० वि० या० क० यी० डा० स० च० का० ला० द० व० ता० डा० ह० य० स० मं० वा० स० य० कि० ॥ डो० व० धि० या० म० क० य० न० ला० य० य० कि० व० य० लि० ता०
 ह्या० व० दा० वा० वा० च० ना० य० का० शी० वि० य० मा० य० क० स० मी० ॥ रु० ता० द० रु० ला० म० रु० ना० गा० आ० म० क०
 की० गु० सु० व० र० सं० त० ग० रं० य० न० जे० ल० यं० वं० द० नं० म० न० सि० वा० स० मा० व० कं० रु० व० रु० कं० व० कु० क० म० न०
 ड० शी० व० ना० ग० क० अ० लं० ॥ य० ता० ति० स० म० ला० गा० ति० द्वा० य० य० त० क० व० ता० यि० य० य० त० ॥ रु० मं० म० क० य०
 य० ॥ स० रु० क० त० क० व० जा० त० ला० गा० रुं० स० व० ल० सु० द० जा० मं० लि० ल० क० ड० य० स० द० अ० व० ता० सि० क० क० व० क० क० वि० क० ल० वि० म० ल० म० ति० शी० ल० म० ति० स० धि० व० धि० म० व०

तिस्त्रिंशतिरित्यस्त्रिंशत्तत्त्वादाह ॥ गामयतमस्य लकं कृत्वा मुक्ता यथा निष्क ययत् ॥ सुवस्तु तास्तु यथा यथा मध्वतास्तु ययत् ॥ धर्मतातिवयुः
 च्यातिवत्तातिवत्तत्त्वादाह ययत् ॥ कथा
 यादयत् ॥ चतुर्ध्वयता के अताद्वी
 यो ल्यात्ता यो समा लरुत् ॥ अतनम
 हा ॥ रुगवत्तद्वत्तद्वत्तात्ता जूननमरु का यतत्ता न आनि यादयत् ॥ तयथा ॥ सुगत्तविगत्तविगत्ता वतित्ता दा ॥ नरु जायत्तया लय

रुयुरुदि अतद्वत्तद्वत्तात्ता यो दा वा मा भि का मरु या वदं ॥ धा रु सं दारु सं रु ता ह सा आ रु रु य दा वृ ला समवि स म स्था दा ॥ सुगत्त स्था दा ॥
 सा गव रु ता य स्था दा ॥ क ध्व मा वृ ता यः
 हा ॥ अतिमि य य का य स्था दा ॥ न मारु
 ॥ रा तनत्ता न का म स्था तस्य ध्व मा ला का
 गता सि द्ध य द व ग ता ह सा द ॥ तनय या म वा न ग व या नि ग म वा वि रु व वा म द्वा ता वा य म न क वि ध्या मि स द्वा य रु क लि क ल य न रु

रुतुगलोहसदासंयुजितायेतमहखाड ॥ जलंदवीनमस्यामिसामययदुनुगुयोयं। मच्चसत्वातांविमिसिद्धिन्यददाहसचकायाशि नित्यंवरदुमासवेसत्वाअसकमधः धनक्षान्यलाहीसिद्धिवयाप्रातिश्रिवा यविवक्तातामाहमहा ॥ अथ	। यतांसायाकरयश्रवाकां। का ल्य मयावामिति ॥ ॐ ॥ सुवसाय खलुसीमह ॥ ॥ दवीरुग	समूहयय ॥ १० दृविशहासवातिश्राय नामाहमसुयदुमाहमवखतीदवी वतंयल्लोतदवावत ॥ जलमयिन
दकतमवदुगवतीओमहदवीतस्यधिसत्तातकायः तिद्रवात्तांतांकविष्वाभि। यदिदंवीवरयिष्टुयाजसयनासनसातयलयः		

तेषकयविक्षावेचनोआयकारतोयद्यासधमहाहाकहसद्यायकारयसंयन्तानविष्वाति। जवेकल्यतांचयतिलश्रतखरुविलातविश्र तिसखविक्षावातिदिवायतितामयिष्यः नामयिष्यति। व्यययविष्वाति। यतायंस नामय्यायविष्वाति। मदीययविष्वाति। न	ति। रुस्रसवसायनामाहमात्सजुद वसायनामाहमसुयदुमाहमवखतीदवी चक्षिषंवाकधायति। सत्वाहसवसाय	वाजातानविष्वाति। यदवांऊनानिडय दसहआववृष्टकसलमूवातांसत्वा नामाहमसुयदुमाहमवखतीदवी
नियकल्यकाठिनेयुतसतसहआ। यविष्वातिदिशमान्शकानिरुह्यानि यत्यनरुवयुशदति कक्षाकंधाययुत्तरि कक्षयादर		

भूमिगहादवीसमन्वाहविशति। तस्यंमह। तीप्रियं कविशति। नृकवत्यां गदध्याय्य कसमयतायानववस्यधंरुता मिसयप्रवृत्तयनवतभीमहादवीय तनखगृहं ससाधयितुं। सुविश्व महस्यस्यतमवतावतकसमगुताः यस्य वृद्धस्यसिद्धतामल्यंमं	वितीवसंतिसा॥ यदकश्चित्पुत्र्याधि धयितुं। सुविश्वतवस्ययादृत्तनः सागवदेष्टुं कानकगिरिसूवसका अथयितुं। अथयदयाहसुततस्य पूजाकलया। यथाधुयमध्यायतथाहताताजस	यमासिविवेदयिहकासात्तवृत्त सुधैवसतधविशान्तवित्तं॥ न वनयनाप्रियस्यथागतस्याहं तहसं
--	--	--

३७

विहागचतिरुक्कथाहातस्यसवस्ययतासाकमस्यसुबुद्धगदध्यातावततनकातनभीमहादवीतस्यगृहंममन्वाहविशति। तस्ययम रुधायतासिविवेदयिशति। तनभीम हसववृद्धतामतीतानागतयत्यंता सस्रत्वमाविशायथाकयाभिगयंमः तासत्वायसमतानुययव। आयातधमितामहतागितामहतयायसाहित। अथिगगृहेत। समथानुयातनाम्। ममुद्धारिवकधिम	हृदवाभावाहयिहकासात्तवृत्त ता। नमहसववृद्धयाधिसत्वातां। नमाम विशामसुधिरु॥ स्याद्यद्यदं॥ यतिह 	मक्राहस्यारयितुंयाह॥ तयथा॥ तम नीययवितीतांवाधिसत्वातां। तयांन स्यवरसमकगतमहकाययतिथाय
---	--	---

शिवानिहविश्वंतिनाताविचितानिभतिभनरुविश्वकि।तानिसत्वानितकावलवश्वयसमन्वागतानितवसविश्वंति।अस्यसुवश्वयसासा क्तमस्यसुवश्वयसासासायतयोमसुदे युहाडयसंकमित्वातानियसन्नवित्ता तासाकूमस्यसुवश्वयसासायकासंतह तगवस्माकंकायसावश्वकि।मथिवत्तदकतगवंहृश्यांशुधिदीदवतायांअननधिसासुतरसन्नसकशितायामहतयोवलवोये	धावकातिदतिरुश्वयासकायासिका निसवसत्वानामथायसखायताध्वम ॥अहंरुश्वयिधिदीदवतासयविवाव वंरुश्यांशुधिदीदवतायांअननधिसासुतरसन्नसकशितायामहतयोवलवोये	नांधिसासनगतानासंतिकेनयसंकम लानवान्धययश्वमस्यसुवश्वय डाकखितवावत्तविश्वामितनतदक ६०
---	--	--

लमववायतिवश्वयां।अयंसहश्वयिदीसययाकृतसाहसीकायांरुश्वदीयामताश्वयिदीवसतविवद्वयिअति।डाकखितवावसा रुश्वयिदीवविश्वति।ममानिवत्त मिश्वकिमहंतिवत्तविश्वकिमहंति निचानत्तविश्वकि।तानिवसवाशि तदीयुश्वविश्वत्तवाकदतकागादीनिभूमान्यवव्याशितानाविधाअयकवसासख्यातिश्वयिदीसन्नि।तानिश्वयिशांयाद्रुतानि	दकतगवन्मवसत्वानियुधिदीसन्नि वरुत्वासवसत्वानियुधिदीगतानिना तानाविचिजांतयातकाकवकुअयता तानिश्वयिशांयाद्रुतानि	शितानिविद्विखवृष्टिवेयुल्यतांचग नायतागवितागाययताश्वकिमस्या सनव५य५सनत्तवतविमानायात तानिश्वयिशांयाद्रुतानि
---	--	--

आवय युष्मकथासंवेधं च कुर्वितुं स च न स द न न ग वं य धि वी दे ये आ डा खि त रा अ न वि शं ति ति न्नि त रा ह्म स च यो स त्वा तां त य १५ य धि
 वी य द अ व न ना वि धि नि यु धि वी व सानि स वा य क र त्वा नि रु यि ते त र म त्वा त्वा न त वि द द्वि शं त वे य्वा ता ना नि श्रु कि १
 स चा ति ता नि स त्वा नि म हा ध ना नि म हा शानि व दा ना धि म त्वा नि च रु वि श्रु त नि श्रु व त्वा नि य म ना नि त वि श्रु कि ॥ ६२
 श वं म क्त न ग वं ह्म य धि वी द व ता म त त द वा व ह्म य क वि ल्प धि वी द व त म त्वा ह्म त ह्म व स य ता मा क्ता मा त्वा न द्वा वा द न
 त स श के म यि ह्म य क्त त ह्म ता म न्वा का श वि त्वा न य नि अ त्म द व नि का य य म्म य क्त न्वा न क्त व य द व नि का य य य त्वा न्म य क वि ल्प

धि वी द व त म त्वा अ स स व स य ता मा क्ता म स य न द्वा वा द य १ ता नि ह्म ना नि स म त्वा क्ती व न्म अ क्त स र क्त व न्वा १ य क य ता वा स य क्त
 य म्म स म त्वा क्त ता नि य द व ता ह्म ना नि त य म्म य क्ता मा व च य द व नि का य य म्म य क्त म यानि दि श्रु नि वि श्रु ना
 नि स वा तं का व स म त्वा क्त ता नि स ह्म य कि १ त स त्वा क्त ता म न्वा ला का श वि त्वा त य म्म य क्त म य दि श्रु नि वि श्रु ना स य वा व न
 य त्वा त १ त ये के क सि न्धु धि वी द व त य य त्वा त १ अ वि ह्म नि दि श्रु नि स ह्म नि य त्वा न त वि श्रु कि १ श व म क्त ह्म य धि वी द व ता न ग व क्त स त द वा व त्वा त ना ह्म त द क्त न ग व न्म ह्म य धि वी द व ता त स धि म

जाता कस्यतिष्ठा धिमा सतगता तस्य तस्य धिषी यदश्रया वसिष्ठा मिश्रुष्टा मानता ताता वततस्य धिमता ता कस्यतिष्ठा ब्रह्ममां नतया यत्तु लोयति संरु विष्ठा मिश्र यथा यथं स तामथा यति वंरु म्दीय यवच त्रानव मनागत ध्वनन कोनिक ल्यका धिनि य तसं वधित गता निचत वयश्रुता गत ध्वनन रुवा म्मा धि मति संयु (अयुश्रु सचन व कति श्रुता नि य मत्ता क दुष्ट खानि साहा	वश्रु यरा सा ल म हसु तद गं रु य किय म न्क द्य य त ॥ स त्वानि य मं स तसु त स रु आशि म् विष्ठा नि दि श्रु मा	युद्ध म रु सा व वृ क्क श त म् लो तां स त्वा वश्रु य रा सा ल मं स रु द्वा गं रुं य य प (६३ न श्रु कानि स खानि म् न रु व य श्रु त था ग
--	---	---

१

कम म्मिन्नानि जव य विनि ॥ लु संरु या ता म म ह य रु म् ॥ वी व व या द्रु य द क्रि तां जा न् म लु तं रु तद क रु ग वं स व रु य ता सा ल म ह स य अ वा व र्णा य त न वा गि वि क द्य व वा	॥ स व श्रु य ता सा ल म स रु द्वा गं रु द्रु य धि वी य व ता य वि व रु ता ता मे का द म् रु द्वा ॥ ना य ति व र्णा विं स तो नि म रु य रु म् धि श्रुं य ति श्रु य य त न ग वं रु तां रु वु द्वा गं रु त दि श्रु ता ग त ध्व नि य रु वा रु रु ल वा गृ द्वा य व रि श्रु ति ॥ त ता रुं त द क रु ग वं सं रु या ता म स ना य ति व र्णा वं स रु द्वा	॥ न य रु ना य ति नि व र्णा वं स रु द्वा य ता ना द कां रु निं य ता श्रु त ग व रु म त द वा च त्र ॥ न यं गाम वा त ग व वा नि ग म वा रु त य द य
---	---	--

विंशतीतिमहाशनायतिशितनृणांमदा नगवदा निगमदा कुनयदया त्रहावा गिरिवदवदा त्राकक्रवदा डयसंकुमिआमि । मृदु	स्यतिश्चावकां करिआमि । यविना तां	यविशुहं यविवायनं दयु यविह वं
आमानतात्मजावततस्य धिमांजातेव	आमि । तयां च सच यां धिमां अवशि का	तां न्दी यव वदाव क दारि का य यां क यां
अमुयविह वं आकिखल्ययत करि	दुवाजादक अ वा व रु आदि का मृयि	माथा अ ता त व द क अ वा क य द म थि सु
विदित ह स द स य ता मा क मा ल नः		
वस्य य ता मा ल मा ल न दुवाजाद क वा धि स ल ता म धि य म थि अ तं न व त् । ड कु हे तं वा श क त था ग त ता म धि यं वा । मृ क अ आ स्य स व		६४

अयतामाक म स्य स रु दुवाज स्य ता म धि यं अ तं न व त् । ड कु हे ता वा त यां स च यां मा व कां करिआमि । यविशुहं यविवायनं यविना	स्यल्ययेतं च करिआमि । तयां च क ला	तां तयां च शुह लां तयां च न ग वा लां त
तां दयु यविह वं अ तं यविह वं आंति	वा व र्णा तां त या च वा क क ला तां मा व का	करिआमि । यविना तां यविशुहं यवि
यां व ग मा लां त यां च ति ग मा तां त या	चं आकिखल्ययतं करिआमि । त ल क त	म न रु रु ना । स व धि मा ह य वि ह ला ता
या व तं द यु यविह वं अ मु य वि ह		
ह स च धि मा अ व द वा ह या व क अ म च धि मा ह य था व म च धि मा ह स र्मि ता य व म च धि मा ह स र्मि ता स च धि मा ह स व धि मा ह स व धि मा ह		

हंतदकनगवंयुत्यकशजविन्यामत्तदकनगवंरुतावतासहाअविन्याहनालाकहाअविन्याहनालाकहाअविन्याहनालाकहा
 सवधिसमरुतविषयशयवक्तुतयः
 ताहासम्यग्वावलाकिताहासम्यग्वावव
 धियंसमृदयादि॥जहंतदकनगवंध
 यतुल्योदयकश्यामि।महकवतस्यसमवतलंवीथ्येकायसंकनयिआमि।अविन्याहनालाकहासंकविआमि।स्मृतिवतस्यवा

६३

धियिआमि।महकवतस्योत्ताहंतदस्यामि।यथाचसधिमतातकाताल्काककायातवत्।सस्यदियकायातवत्यचजातवत्तवत्।यतायंसूव
 मयायविरंकुद्दीययववत्।नवदिय
 तस्यधंयतिलतयुहायहवक्तुवय
 सतसहआविन्यानिदिशमानुअक
 निसखायनतवयुहातथागतसमवधिनगताचतवयुवतागतधननक्तुवांसथशंदाधिमत्तिसमृद्धिवत्।सवनवकतिथ्यातिथय

मला कदु ह्वाति वा लकन मय मृद्धि नानि तव युविति ॥  ॥ सुवस्त्रय ता सा लस सुवस्त्र बाज संजय य विवक्ता ता म द्वाद श ह्वा • ॥
नमस्तु न गवता वल क सुम गुता सा  ॥ ॥ दृश्ये कन क गिरि  सुवस्त्र कां वन य ता स जिय रुथा गतः
स्या रुं न ह्म य कं व द्वा स्या नमस्तु स्या त क गुथा का ठिति यू त स न स रु स म लं क त स री व स्या ॥ आ क म न्ति रु था गः ॥ ६६
तस्य य स्या रं ध मा का थ क त ति न मः रु स्या अ य वि मि त यू थो धि म म क व सं य ना या ह्वा यि म रु द या श न म रु स्या
अ य वि मि त गु ता थ रु स म दी ता या ह्म व ल ता श त न स ल यू न ह्वा ल न स म य न ग द्वा व ल द क रु ह्म यू न स्या वु दि व क ता व दि वा ति थिः

का स्य व न र्थ य ति छि त स्ये त द वा व न् ॥ अ स्मि यू न द व द्वा स म य ना म ग रु सा रुं ॥ य न या यू र्थ म दि वा ति थि क न व र्थ य ति छि त न ॥ यि रु वा
रु व ल द्वा क ता ह्म का सा द रु ठी तं ॥ नम या द व द्वा स म य न ग रु सा रुं ॥ अ ति व य म रु सा ति ग रु वं का वि तं व रु
व न नि जा ता म रु त न ॥ य क वि रु द्वा रा थ मा ला मा न ला थि क स्या चि द धि म ति त र्ध म् वं ॥ क त म रु न द व द्वा स म य ना म
ग रु सा रुं ॥ अ य थ ल क ल द व ता ग द्वा व ल द्वा क रु ह्म न का ल न त न म म य न य न स्या ग रु वु दि व क ता री मा ति म थ ति
द व द्वा स म य ना म ग रु सा रुं वि रु व ता सं य वा अ य ति ॥ ग रु सा रुं य व अ मि स व स ल हि तं क रं ॥ म व सं अ य द्वा क रं स व द्वा क त ना अ तं

कयलदशितंदवगोकेमधिष्ठितं॥यदाश्रयकृतगजादृष्टतंविषयस्थितं॥नानावृत्तकुर्वीतचैदेयायकृतस्यचदृष्टतानामयदाः	वेवरुयागश्चतुर्वर्तिचयकश्चकिचद	वयश्चयश्चिसत्तवतयवययदाश्रयः
याजधेमावद्वतृष्टं॥आशानिकलक	विषयाद्यविहसाशेययिसदावृत्तोष्टविः	नयनितदागश्चयववकस्यवाकमातृ
कृतगजादृष्टतंविषयस्थितं॥कृतः	तं॥विविधानिवश्यानिहचकिचयवः	स्यचं॥यतकार्येतागदृष्टतंनतत्कार्यंका
॥नागायवलायवधितंयस्यास्मिन्नि	विषयमादायवायांतिविषमादलष्टस्य	विषयमागदृष्टतानामयदृष्टतं॥सस्यय

६७

यंयलंदीर्घंनमम्यश्चविमृशत॥दुर्निर्दिष्टवतृष्टतंयवगजाश्रयकृतकशानाकमनसादवातवकिचतवतयवययदाश्रयकृतगजादृष्टतं	किचयवस्यचं॥अधिसिकाश्रयंवाकाश्र	विमयकमाश्रितंनविबलाश्रयंवाकाश्र
विषयस्थितं॥तस्यचदवगजाश्रवश्च	याविषयास्यवित्तश्रुति॥अश्रुताताः	स्यधिसस्यविषययवतृष्टविश्रुति॥साश्र
वतादृक्काययिश्चति॥दवतानांयविका	यतिचदवदृष्टयश्चकिचदवताश्रय	लुप्यतवतदाश्रंसदृष्टयाकमृच्छति॥
नांवलरुनांचवागतांचसमद्रवशयव	थीयतायाविश्यावावाथीयतदृष्टिताथवा॥उक्तायातांनविश्रुतिक्रियति॥सस्ययववयव	

वक्तयंययिदुक्तिं वदत रु संयिया मात्या स मोय त इयिय कृ गक न वय हा स ता ति कूं यिया स्या सं व रा ला या वि वा धिन सा य र स्य रं द वि श्य कि कृ ल ता ग धं ना नि च द आ र रु य वि श्र त ग द्धं या धि र व ति दार ता श म श्र मि का श म् श्र मि क ड न स ड न वि मा तं श्र मि का नां च वि गु हं त य रु ज य क श्र क न रु ज ल वा र य व श न या ता वा वि त स्य कि म् श्र मि क ड ना रु रु स द्ध म व स ना रु स	नि श्य कि म् श्र क ता च य र स्य रं वि वा दा रु द श्र मि का न वि श्य कि द कि ती या रु द कूं अ ति त द क रं श्र मि का नां व स त्वा नां मि श्र मि क ड ना रु रु स द्ध म व स ना रु स	ल हा आ ला त व किं वि य य य च ग रु रु म मा त्या ह य नि य द स्वे व त व ल्य स्या य नि ग रु न व ति ध्रु वं म् श्र मि क ड ना रु रु स मि श्र मि क ड ना रु रु स द्ध म व स ना रु स
--	--	--

६०

त्वा रु इ य वि वि र स श म स ल्य ड न स मा तं स ल्य ड न वि सा त ता न य रु ज न वि श्य कि द्दि क्ति म् स ति श रं य ल स स्य व सो रु स न न वं ति त द क र म् सा त न व रु ला रु स त्वा न वं ति वि क रु क रु क रा व व म् रु व व आ ति ता वा च य ला ता च सि र्म्व ता वं न स रु य त् वि य यो डि ता श य रु न वि श्यं ति न रु जा ता ना रा रु स स रु वा श म् श्र मि का न व द्वा डा म् श्र मि क ड ना रु रु स	य य य च म धू वा ती म रु ति च ति श्र ला नि की ड्प रु स्य र ती नि स ता व या न वि ह न वी श्रा ति स त्वा नि न व कि वि य य मि श्र मि क ड ना रु रु स द्ध म व स ना रु स	ति वि य य यि दि य वि ता स्र न वि श्यं ति ति श्रं ति आ या स ड न या कृ ला श स स्या ता य च म् श्र मि क ड ना रु रु स द्ध म व स ना रु स मि श्र मि क ड ना रु रु स द्ध म व स ना रु स
---	--	---

लाङ्गमयुलं। अतः कहेष्टसायाया न वनि विषययुव। यदा यदस्ति ताजा दृष्टतं समुद्रत। यन कायला राजावेदवद्वृत्तिवधि	मयुद्रत हासु काना नाय ययक सचद	वसु बालय। दृष्टत न गच्छ कि यतुति
छित शनत ल्कानि राजा त्वं दृष्टतं सः	यया तयति दृष्टतात्। यदा यय दृष्टत	राजा दृष्टतं विषयस्ति तं। यिरु तां द
यम न कयुव। अयनि अष्टव वी तवना	नियुज त्वं न राजा त्वं हत वतत। यदायि	लतत कार्ये आशे रयि सदा वृत्ते शतस्मा
वराजानां तवत साधनाधिक शनत दृष्ट	दधि काना राजा दवद्वे मन जालय। दृष्टता तां समनाथा यय काना तां यवक कष्ट दृष्टा	सि क सत्वा तां वि या क दन कानु यहा स कान दृष्ट

न०

तानां वद सतां यदृष्टय विध शवि या कय ल द शार्थ कला राहिया अतः मधि स्ति ता द व गतो द व द्दे च न मादि त हा सा तनाथ य वा था य ध	याय कन स्य व। ल्य कञ्च की वि तं वा शं धि	माथं विषय स्य च। मा वा धि म मयुष्टि
माथि म्रिय स्य च। द म नाथा य राक्ष य सत	ना सा विषय सिंस दा न ता हा य था आश	स मयुष्टि न सा शका क र नि य द हा
त्वा जान कं समुद्र अतः। नवा य ल दृष्टाः	त्वो हा विलु अत वत दा बाष्ट ग क वि व म	ह स न हा य क यं ति द वे वि वृत्ता क स
रु या त व नि सा शानि विषय सिंस दा व	वा लयं। विष माष्ट स द ना वा त व ति विषय स्य हि। त स्मा द्वा वा न नृ यं स्या त कृ यो द म या य का रि तां। धि वा ता या ल य दा द्वा ना वा धि मं स मा	

59

युष्मन्नावन्ति सृजालयं । तस्मादाद्यं न वयं तिष्ठथि यं कीव न आत्मनश्चावकथयच्चमयते यत लावाह सखी न वत् । धामि कीं कृत यत्स वा यागु
 स्तोष्टममलकं तश्चमनित्यं सवत्तुष्टां स
 तसत्वां दृष्टतवति वा न यत् । सति कं तव
 वत्तवाडा सख्यालयतयदा कृति ॥ ० ॥
 वरुक्तया दसृष्टा ॥ ॥ ससा मजात्य कवसु ॥

ताप्रवेदिनयमस्यंनयमित्तद्वयुयि यमनायं द्रव्यमस्यंनवत्वासाशीत्तुतं धर्मकार्यं यविमागतायं यियकीवितं त्यक्ता मनक कल्यां ॥ १ ॥ या कयुच्चकल्या वृजयिकि ययवत्तसिः सयकावली चतुर्दीयनः सवशासमूह यय वहस्यान्तववृद्ध गुत्ता वयत्ता वत्ता चयं वाकं ॥ सयप्रदि वृद्ध सवत्त वना जायीति युतं सयच अवी वमस्य ॥ अतिनिष्क संवाक क लानिह दृढ य संकमी आवक संकमी आवक	स्थिरसंगतस्य आसन यविनिष्ट तस्य कमादे यसा सत ॥ इतद्व्या यायवरा यसाति धर्मताया कंहितसूर्यमथिव	सरातस्य ॥ ससंत्वा तासवत्त वनाज कधीनीय ॥ ससावत्त वत्त दवाका कृक विवावसातं ॥ यका सयकमि मूसु लः न १
---	--	--

संयमशंकयति यकां जित आर्कवेनां वत्ता वययुच्यति धर्मताताकं ॥ कवाहिनिकु विरु वार्या संयह वत्ता चयाताम गुत्तान्वितस्य ॥ तनात्त वत्ता वयाहिनिकु वना वगुह कवरा स्यत्तदत्त वत्ता वत्ता वयं जिकु स धर्मसा यधर्मताता काधिरतिगंती वदितस्य गा वत्ता वयस्य ससंत्वा वाक गुदं ववीति ॥ दशहिस दृष्ट असां कव कं स वत्ता यतासा क मसु वत्तं ॥ अथिनामयिस वत्ता वयश्च वाः	निषण्ण विविज वंत्त मूसु ल दं खांध लाकहा मयवा गुहं त वसंति यसां तन्त वसंत्त वत्ता यतासा क मसु वत्तं सन	यमानह सख सनि यसा सय अति वाक नलक्ष्मी श्रिय सा कलतं ॥ यसा वत्ता वः दवाकं सतं यका सयत्त ॥ वदित वयादा
---	--	---

रूच्यते सो वसुस सवस्य । सच नि साहसि कला कथितो यद्वि तास्म विवह वदवता । वसुधा यदश यवमविशिष्ट रत्ना दवग ध्वज ला म्युः	तना सत या यत या न व दृष्ट स मलं कृतं	राज तदा स नं च । अने ध्वजे म्यु स ह
शिक । द्रव्या वकी श्या ध्व रत्नो न कृत्वाः	अस्या किं न बाहु तदा स नं च द वा अना	मा अकिं न बाहु यद्वसु यद्वसु मरु रगा
सन के नाना विविने व व यु य च दृष्ट	वति तदा स नं च । अविनि या नी य त सह	अकाठि या य जाग ता द व त वा य का मा
सुदिशे स मा दार व यो ये व ये व त्या वकी	अविनि क्रमि त्व व त ना च यं हि । अस्या किं न य किं व सा व द्रव्यो ह सा वा यि रत्ना च य ध्व म ना ता क ह मु जा च मा व ह मु चि व मु या वृ त्त श ड य	

न ३

सं क्रमि त्वा तदा स नं हि कृ तां कलि रू त्व न म स्य त च । दद द्यु द वा नि व द व ता नि मा द्य व द द्रव्य य व स यं ति । अविनि या ह य स त सह आ ति य वा द	सं नि य श्ला व ता व या ति द्वा ह स ध्व म ता ता क	हा मु न् स्म रि त्वा द श्रु दि श्रा स अ वि निः
यति स्ति त म न् वी कृ । अति बुद्धि त्वा च स	कृ यां कृ ति त्वा का व द्य वि हं स म या द य त्वा	। ग रू च त स्या यि स स न व स्य य का सि त
या व द्द सह अ का ठि य ह स व म् स त्वा न	का य का य वा या म न् मा दि त श स ह मं व गा	अ य म् कृ त त यी ति स्या ह त स्य व रु वः
स न् मि दं त द क द । कृ तां कलि रू त्व वाः		
का य श रू म स्य स न स्य य द्वा ना य स मं त वा वा कृ त द क व ता । शुद्धि त्व यि का म ति वा कृ व तं स त्वा यं ह ता द्रव्य वि धि व कृ त्वा । व स नं च म्यु		

मृदुमृदीयमस्युवलातिवह्यस्थानि। यवहसत्वाहसलुमृदीयस्थिताश्चतुर्धन्तमृदुधनाश्च। यवुधुदीयवृधुवधितानिसकानि।
 लानितदन्तवह्य। कयूरहवावरकृणुः। लानि। अनायतवानिवसतानि। यवहृष्टा। वतंगुरुसमन्तवधुवतवयश्चलुमृ
 दीय। यवविदीयानिसरलधृष्टानि। य। तथीवतसिधिस्यशासन। मुहंयस्यश्राव्य। मतिरुथागतहसमन्तवानामवहृवृ
 बाजा। यनहसलकवसध्वानतादा। च। त्वारिदीयानिसरलधृष्टा। अक्षात्यजासी। तथागतस्यध्वनतावयानिहृसध्वमः
 ताहाकक्षयतास्यबाजस्यसमन्तवययकाशितंस्त्रुमिदंतदकव। यन्मभुतंस्त्रुमिदंतदाहसकाशवाचामन्मादितुंवतनेवमभं

॥ ८

कसलनकमहाआतातुमादतभुततनसुवह्यवह्यंस्तयूच्यलक्षतां। लतयि कार्यथियदभुतंस्त्रुदा। नयनानिगमंजनकाकदभुतंवतिंकवं।
 यवसहस्रकाहिनां। नवाकवतवतिस। हसकाध्याकल्यानरुवन्तयवकवली। ॥ मूनककल्यभनसहस्रायंकाहृगजव
 मयानिरुतं। अचिकियाकल्यवरुवस। कर्तयेववक्रद्वयशाकगानसाशजा। वागितामदशवलायमयायवायुमावा
 नकदाविदियततथायमातंवद्रुयूच्य। स्वध्वयमभुतवान्मादितुंवययानि। ययत्वमिवाधियाहृसद॥ ॥
 मकार्यंयमयाहिलक्षमिति॥ ॥ सुवह्ययतासाकमसुवहृवाजसमन्तवयविवहनामभुतदश॥ ॥ यवृष्टिशीमहा

दवित्तनसाहं कुवयुजावा कलदुहितावा जती तातागत ययत्यना नं वृद्धा नातगव तां अविह्यां मरुतां वियुना विह्रीह्यां मवाय वर हो हयडां करुका मरुह्या त्रुगती तातागत ययत्य स्यं तत्रयद सुवीरुयवा अरुह्या ययद सुवा महित आततायं सुवह्य यता साक मरु यमा नरुह्यां वला या मिमा गा था जता यत् ॥ य मरुह्या व वृद्धा नां यडां वरु म विह्रीह्यां गमी नं स व वृद्धा नां वा व वं व यजा निरुं ॥ स व व	त्यना नं वृद्धा नां तगव ता गव तां गमी नं यथायं सुवह्य यता साक मरुह्य जयद सुजयवा क ह आतवा श म यय लुतग य मरुह्या व वृद्धा नां यडां वरु म विह्रीह्यां गमी नं स व वृद्धा नां वा व वं व यजा निरुं ॥ स व व	वृद्धा नां वं य विह्रीह्य नां मा न व त्र त ना व क ह य वा अति ॥ ना विह्रीह्य क विह्रीह्य ना विह्रीह्य वां नि म स यं रु यथा मा न या सं य विह्रीह्य मरुह्यां व वृद्धा नां वा व वं व यजा निरुं ॥ स व व
--	--	--

वायमं क अविह्रीह्यं लयतं तथा ॥ या वृद्धा शीय नरुह्यं सुवह्य यता साक मरुह्यां अविह्रीह्यं मिदं स व म न क गुह्या मा ग वं मा च कं स व स त्वा ना म न व दृह्य सा ग व त्र ॥ आदि स नु स य यथा मिः धव ह्या न सा ग व ॥ न वा य व त लरुह्य किं ती वं स यति ह्रीतं ॥ त ते वरु य म धा स्मि न वे म स र्वा या अविह्रीह्यां दि य मा नू या वा र्वा व स र्वा ति अ नू रू य त ॥ य दा स रा व विजा ती या य स नू अ ती य त ॥ रा वं म दिह्रीह्यं म स य य	अध म नि ध नं तथा ॥ अति ग मी व स न व म विह्रीह्यं य मा क नो ॥ ध म धी नु य व स न य यथा यथा म निं कि नं ॥ म दं स नू य वा स नं य मरुह्या व वृद्धा नां यडां वरु म विह्रीह्यां गमी नं स व वृद्धा नां वा व वं व यजा निरुं ॥ स व व	द मा न स्य न विह्रीह्यं त गं गा व रु सा चे व न व स्र यं त द क रं ॥ य नू धि मा त्म क रू यं ग म म ना क न स व र्वा व ॥ या व कि क ल्य वा था य मरुह्या व वृद्धा नां यडां वरु म विह्रीह्यां गमी नं स व वृद्धा नां वा व वं व यजा निरुं ॥ स व व
--	--	---

व्याधियतिवचममलयासामरुकातहृदयकसितयेवचयोरिकहृदगलयादश्चमरुतागतयेवचयत्तालीधमयालश्चमकेटा	लकसुतयेवचममलयालीनकुलशका	मञ्जुवैश्वेनुतशानागयनाहेमवतश
वातिवचमसुचिवामहसूयोमित्राव	तश्चमरुवचयुवाकमाशुतयांविच्यंति	यथांमंमिमंथियंमृतवतकहित
सातगिलिस्तेयेवचमसचतश्चद्विमन	लयजोवठजोतदुयतयकोनामसुतम	हृमतिश्चद्विममलवलेहातयाव
गयहसागवायितयेवचमसुविलिष्टे	रुतमसिश्चवमविजश्चममवंशयलादहृदवस्त्वधश्चतथानावासाधियाशमूरु	
काकविशानिसचतातयनेववातवलीन		

१४

शतमरुअतिरुद्विममलवलेहातयांकाकविशानिठल्याततयनेववातहृदीतीरुतमाताचयंवयुजश्चेतयिंतयांकाकविशानि	यक्षीलीवष्टीकातथायकिचक्रादकीचम	चमत्वाङ्गारिणीयतमश्चद्विमकाम
मयमकलितानियचयुआलिकायेव	समकतवकुद्विममवस्त्वतीचयमूखा	दवतावमविनियातथाथीयमूखावेव
हवलयवाकमाशुतयांकाकविशानि	रुतमस्याधिवतानाममहृदयेत्याति	वासिनातदवतातमश्चदवतामंथाहृ
मयातिदेवतानिययुधिदीदवतायेव		
यहयितवतसाशतयांकाकविशानियथांमंमिमंथियंयादयंतियतसत्त्वानायवस्त्ववततचओपश्चतकलश्चिस्तिस्तित्यालंका		

याकिव।यदुतकनयीडाअमवाकअमयकिव।जुलक्षीयायदुहस्यप्रांसचकताअयकि।यथिवीदवताचेवगसीवाचमदवला।सुवस्य जामाकमसुजुदवमतथिता।जुसुवः अयाकनंयुवसासनिवकति।डुदस वस्ययतामाकमसुजुदवमतथिताह शसवतकमुदीयसिंयवअसादवताहयहयितातविअकिगुहसुजयकासत।सस्यानिहलायवविचिजुकसमानिव।विचिजाहय	शिसदयातिअतानियाऊतानिव।यावः हयतमहेशुतहसुजअवतावलात।सधः डाडावकवासाकिलक्षीवीथेवलासिताह	दकनवळतंवदतयथिवीवसेयस्यव श्रदवताअयिदसदिशुअवसिनाशसु १सस्यनयी।तितासाकिनावससमथिता नयवविचिजुकसमानिव।विचिजाहय
---	---	---

लवृकाअवाहयंतिसमकतहासवातियालवृकातिआगमातिवतानिव।सुस्यीनंकविअंतितातागध्वयमादितं।विविचसिअयस्यतिविवि जनिहयलेवयि।सवाकृतावनस्यत्याः हययोनिहसंकमन।वाहयकिविचिजा लिनीमुकंनवतगगतांयुतं।तमावडा नहागसीवतावतासतहयितआदयिअंति।कमुनदसुवस्यविमानाकवसंस्थितहास्योनददवसुजाअगुतहसजाततथिताह	वाहयंतिसमहैतल।सधजुदमुदीयसिं तिसवासुयथिनीवृव।यअकमुदात्य विनिमुकादिआताकिथनास्यवाहस	तागकयाअचितिया।यदसुवतसाहृता लानिवसुसुगीकासुथेवय।किमाजुजा आहसहअकिवलोवसिहातनसुय
--	---	---

उदयकिङ्करीयसूत्रसंयुक्ताशान्तकवसिंजालनतोतासतांसमकतशसहवाधितमात्रवसिंजालयवादनानायादिनी मंदनाकमलावाधियशक्ति।सचनकु दसूयोविशयताश्रवतामतांतदकव। विशयतावतयाश्रयनसूत्रमिदंतव वदश्र॥ ० ॥ गवमुक्ताधिसत्वसमयथा॥	वृद्धीयसिंतानासस्ययलोयधीशयसि समयहकितकजावातवयंतथेवच। ॥ सुवश्रयनासाकमसूत्रद ॥ वृवदवतातगवकमतदवावतकततदकतगवंकुताकनकावता	यावयतिमश्रुंवातययतमहिंयन सतिरुंतवतसचकुमृदीयसमकतहा वदयकाश्रयतामावकायविवकहय ५०
---	--	--

तकीहुशनाककवीयेताकअलमूलनयशकृत्वाद्यचित्तत्वादवतानिकलनाकवतडाशकयमूनिदश्रदवयनसहआतिगत्तहिनु यश्रिंश्रदवतवनादागतानितगवतान कवतांअत्वावाक्षिविरुमत्यादयकि। साखयाकल्याणीनिपूतश्रतसहस्र संतात्तात।सूवश्रवताकवदुनकातामतथागताश्रुआश्रुंवेदालाकडत्यस्यतविश्यावत्रवांसंयनहसुगतालाकविदनुकवहयन	तिकधिभअवलायायसंक्रामकि।रा यथायवृचिवककुहसत्यवयाइताः यतिकानकसूवश्रयनामीरुतायाः	तवांनयातांसत्यवयासांवाधिसत्वश गतध्वनिगवतासमन्तिकान्धनकय लाकधीतोनुनकवांसमश्रुंवाधिसति
---	---	---

तो एक कुल गोते क नाम धिय नानु यच्च खानु क गो मय कं वा धि मति सं सा त्सा क ए स न व द ना त्य ल ग धि कृ ण ना मा द अ दि रु द स व रु स व रु स रु आ लिला क ड ट्य त्सा कं वि शा य व ता स न ना ह ग व त्त हा रा व मू क र ग वा क्सा धि म त्त स कृ स ल मू लं य स कृ त्ता इ य वि त्ता द ता दि रु धि म अ व ता या य सं क मं ति ए त्ता कृ या ना स त्पु या तां रु दं वा धि वा क र तां अ त्ता म रु अ व ता न कृ ल द व त्त इ स्य स व स्य य ता सा र्क म	सू ग ता ता क रि दानु क व ४ यू य द अ सा र धि मू य यां कृ ल द व ता म त्त द वा व न् अ रि कृ ल नि क ल ना क र त्ता क र य मू य नि द स द व	ह सा खा वा द वा ना च्छा म नू या तां व वृ द्वा त्त द व त्त स द नु व रि त्त क्ता व तां कृ रि त्त द स यू ज स रु आ लि ता त रि ज य जिं स त्त व ना ७३
--	--	---

स्य सृ व द ग ड ट्या ति क वि जी का व यी ति य सा द य ति ल द्वा त्त व ति ए ता व वि म ल वे अ र्थ स दृ स न य वि अ रु द न वि र्क न स म त्वा ग ता न वं ति ए वि म ल वि दू ल वि रु की ता ग ग ता क ल्य स दृ स न ग शी व ता यि क ति ए ता व द्वा त्त द व त्त क ल ना क र त्त क र क सा द य ति ल द्वा त्त वं ति ए ता व वि म ल वे अ र्थ न न कृ ल द व ता धि म अ व ता कृ स ल मू ला य च य ना यि दू च य ति धि न व स ने ता नि क ल ना क र त्त क र क य मू य नि द स द व यू ज स रु आ लि म ये त्त स	य सा द न स म त्वा ग ता न ग व ता न व ति ए अ य य मू य नि द स द व यू ज स रु आ लि स रु अ व स दृ स न य वि अ रु द न य वि वि क न स म त्वा ग	वि मि त्तं व द्वा त्त क र्ध न्य रि गृ ही त्त व ता न व ता ना स्य सृ व द ग ड ट्या ति क वि जी का व य ता न वं ती ए या व द्वा क र ता म नू या ता ए अ न
---	---	---

नूतनायां स मां कं द्या स्त्री श्या कृतानि एक तमानि व कृत दव त द्यु च य लि क्षि तानि ति ॥	गच्छति रू व श्या य ता सा ल स स व द वा क द अ द व दू न स		
८ अथा क र हा य वि व रु था अ अ शा ० ॥	रु त द्यु च कृ ल द व त इ ध न्या ॥	स द्या य त वे वि य ले व वि त्त्रो व य म ये हा य दा सी	
त न काल न त न स म य न व ल शि ली ना म त था	ग ता इ ह स मा कं व द्वा ला क ड ल य न हा वि श्या य व	ला स य न ह स ग ता ला क वि द नू ल व र य व द	६४
म्य सा व थि ह सा स द वा नां व म न थ्या लां व व द्वा त	ग वां ग त न ख ल य न ह कृ ल द व त काल न त न स	म य न त म य न त स्य त ग व ता व ल शि ली न रु	
था ग त स्या ह त ह स मा कं व द्वा य वि ति त्वे त स्य स द्वा म्य आ कृ ति त स्य स द्वा म्य ति वृ य क द रु मा न स र ह व य ता ना म वा डा व रु व द्वा मि का धि म वा डा धि म्			

वा ग कृ था ल य मा न ना वा य ता मा ला थि ह क ल्य ह स च वि ष य वा सि नां स त्वा नां ग त न ख लु यून ह कृ ल द व त काल न त न स म य न त स्य ग ड्वा ह र ह व य		
त स्य कृ ति धि वा ना म स स्त्री व नू व र्वे य ष	वि कि ल क र य व म धा लु कृ स ल ह म्भं ग ना	यु च्चे य सा कृ ता स म द्वा ग ता व रु व र्त्त न ख ल
यून ह कृ ल द व त काल न त न स म य न त	स्य कृ ति धि व स्य अ धि ना कृ ल वा ह ना ना म्	स स्त्री यून ड ल्य ना व नू वा ति वृ य ह या मा दि
स नी य ह य व म या अ त व द्वा य कृ ल त य	स म द्वा ग ता ना ना सा कृ कृ स ल ह स च सा कृ	ग तिं ग ता लि यि सं ग्धा ग ता ना कृ स ल ह स च
सि ली व रु व र्त्त न ख लु यून ह कृ ल द व त काल न त न स म य न त स्य ग ड्वा ह र ह व य त स्य वि ष य इ न का नि स त्वा स त स द्वा ति ना ना वा म्भु स्या न्		

नृवंन्नानायाधियविथीङितानिद्रहृदानीयांखगकहूकाममनायांवदनांवदयंति॥तनखलूनहृदलदवत्कालनसमयनतसजलवाह
 नस्यअष्टिधुजस्यतयांसनकायांसत्व॥ सतसहआनांनानावागस्थआनांनानाया॥ धियविथीङितानांसत्वानांसथाययमम
 कारुण्यविकृतमृत्यानंवहृवरातान्यन॥ कानिसत्वसतसहआतिनानायाधियविथी॥ ङितानिगतहिद्रहृदानीयांखगकहू॥ ६५
 काममनायांवदयंति॥अथअममथि॥ तादाहीध्वरहृदयविकित्तकरयममध॥ लुक्कसलाइयांमयवेयशाकुलासमवा
 ॥ ० ॥ गगताष्टद्वीकासहलकाइधगतावयान्याहाकीअमदस्रवायवयमानकायायिमावद्यायन॥सधनशमनगयनिगमनाइ

गदधनीययसकमति॥रातायनकानिसत्वसतसहआतिनानावागस्थआतिनानायाधियविथीङितानि॥नानायाधिरहयविमावयितुंयन्नमह
 मिममवयितवंकुठिध्वरमयसंकमित्वाया॥ धिकोसल्ययविष्टदृययनधालुकोसल्यन॥ यविष्टृश्रनाहंसधनगामनगयनिगमज
 नयदगदुगदधनीययसंकमिथ्यामि॥ यसंकम्यतायनकानिसत्वसतसहआतिना॥ नावागस्थआतिनानायाधियविथीङिता
 तिनानायाधिरहयविमावयिथ्यामि॥ तनखलूकलदवत्कालनतनसमयनजलवा॥ हनहअष्टिधुजायनखयिताऊठिध्वरह
 अष्टीतनायऊगाम॥इयत्यखयिताऊठिध्वरस्ययादोशिवसावदित्वाहृदयांङलियूहाहृत्वाशकाहृत्तुन॥राकाहृत्तुताऊलवाहनहअष्टिधुनह॥

यदि तां दिशं धवति यज्ज्वलीका तावमं वीससु वा यच्चि विहीतं तद्वृक्षतस्ये तदनुवृक्षस्य मिममां जतुता वृक्षगालका कयकिता	नमरुतादि समयसंका मययस्यां दिशी ममां	सत्तदास्वदृक्षगालका कयकिता धाव
ऊमां दिशं धवति तस्ये तदनुवृक्षयन्	अक्षियुजा इनुयवता नयं कमन्न न विववन्	यज्ज्वलीका ससु वा यच्च विहीतं न संयासु हा
ति अथ खलून हकल दवत कल वा ह	ति वसति स्मात्त जाय स्या वरु निमत्स्या स ता	नि इल विव ही तानि तजा स्या का वृष्य वित
नुवम हय च विच्छां दस मत्स्या सह आक्षिय	सा दव ता कल वा ह न अक्षिदा व कम तद वा च नृ सा धा कल यून यस्व कल वा ह नाना म मत्स्या ना मूद का	
मूय नृ तजा द्वा की दद का यां दव ता नि द्य म ती		

८३

यय द्वा र्वा का र ता र्वां कल वा ह न गृत्थ य त य स्या द कं वा ह यति	यत्त ह स्य ना मा नृ यं कृ य इल वा ह न ह्या ह किय ती मा नि द व त म
त्स्या मि द व ता या ह य वि य स्या नि द स मत्स्या	मय ना र वी ससु वा यां य च विच्छां किं वि
ना न म व शि द्ध मूय नृ ता नि द स मत्स्या	य ही तानि धा वति अथ कल दवत कल वा
ह न ह अक्षिदा व वरु नृ क स्रु नृ क्षि स्रु	व का नृ यं क म ति त स्या दि सि द स मत्स्या सह या
लि कल वा ह नं क वृ तां य कृ त अथ खलू कल दवत कल वा ह न ह अक्षिदा व क स्रु नृ क्षि सं धा वति स्मा द कं य यय मा ना न वैया वा द मूय ल स्य त व नृ क्षि सं	

[illegible]

गयानदीकनसहस्रथायितनेवयथावाहयितुं किमगयूनमयेकनसंकावाहयितुं सयतिनिवृत्तशमयखलकुलदवत्तुनवाहनह्रीं
 ॥ मयसंकात्तायनगकासूत्रश्चनयनरुना
 कृत्तिमावाचयतिस्मामयाखलदवस्यविष
 यिंस्तुनइत्यवीससुवातामयुष्कविहीतजा
 मदवाविंशतिगकायथातयांतिश्यातिगतानांकीवितंदयामीति ॥ यथा मनुष्याणां दत्तं ॥ आरूढं खलु साक्षात् सुवश्चवायता नामाया नांददत्तम

हवेशबाहुस्यविंशतिगजान् नृमात्या नृदृष्टयसंक्रममहसहयनहसिआला १३ यशुकीश्वविंशतिगजान् कृत्स्नानां सुखं १ अथ खलुकल
 दवतकुलवाहनहसाक्षकुलां वलनकुल
 मीनां युनिगुअयवितितृकशयकुलां वा
 दकमाना यक्षीयंक्षीयं यनाठवी संकवायुः
 दिस्मदकनयययिता वतुदिसंयंक्रमति १ यनकुलवाहनानृचक्रमति तन १२ समल्लसहआलिजूनक्षवन्ति १ अथ कुलदवतकुलवाहनस्येत

गतनवस्य युजलाविंशतिगजान् गृहीः
 मानाममहानदीयवहनिरजगायसं
 श्वविंशतिगजान् यसंकाकशडयसंक्रममद

लानागसोष्ठिकातां सकासा १ अतसाष्ट
 कयादकनवाहनीहयययिता गजशृङ्ग
 दकहसिष्टयादवनीश्यां यक्षविंशतिवतु

७१

दसगवजुर्गकिमथ्यमतानिदसमल्लसहआलिशनाहं तनयक्षवन्ति १ तस्यायनवतदवतवजुनृनमत्तमल्लसहआलिशनायविथीक्षिताममस
 कासाहाजनयविमागयति १ यननमदं
 गच्छकुलयुजस्यकनिवसुनंसचवलतल
 वाहनगवददति १ यकिंयिदजगृहइति
 मकतयिष्टीकृत्वाकुलां वलस्य हसिष्टमववायकुलवाहनाय शीखं विसंक्रम १ अथ खलुकुलां यवादावकाहसिनमनिवृक्षसीखं धाव

सारुनययक्षयं १ अथ खलुकुलदवतकुल
 हसिनमनिवृक्षसीखं १ अथ संक्रमयि
 सखतनाहनस्यात् १ मातायितात्ताहत्तः

वाहनहस्ययुजकुलां वलमत्तदवायजु
 तामहस्यअश्विनशवंददं तातातकुल
 गिन्यादासीदसकासकावस्यकृतसहस्र
 गिन्यादासीदसकासकावस्यकृतसहस्र

तिस्मयनस्य कंतिवशतं तनाय समका गद्यसंकाये तां यद्वर्ति यिता महस्याय न्ना वा यया मा स प्रविस्ववत्ता यथा द्वा कं तत्स च यिता मह न ऊ ला स्वलाय विभक्तिं १ अथ खलू ला श्रवादा तनाय समका मन् १ अथ खलू ला वा द शुक्रं चित्वा एतत्तु युक्त विधी यद्वि यतिः अतं मय वला का ल समय ना वल्लाय तत्त निद्रु मह या न धा व य मान ४५ ला रु १ था व ल शिखिन रुथा गत स्या ह त ह स य क्रं वृद्ध सम वला का	वका रुता जनं हस्ति य म य ना मा हं ह स्ति न ह स्त क यं रु ला श्रव य मा ग त ह स्त ह स्त सा १ त ना हो व ला ता नि द श म ल्या स ह सा वि	तमसि वृक्षय ना ह्य वी सं त या द्वा क्र वि ती शु द्ध उ द श्र ह य न स्यां ति का रु ज नं य ति ७२ स न्त यिता नि ण य न रु स्ये त द न ग व त् १
---	---	---

लसमयनामध्वयं श्रुत्या लसुग तो ला क ड य य स्या त ति १ य नून मह म यां स ल्या नां ग शी वं य ती ल स म ल्या दं ध मं द श य यं १ व ल शिखिन रुथा गत स्या ह त ह स य क्रं वृद्ध स्या ना म ध्व यं आ व य द्यं ति क वि नू ल स य ति १ अथ खलू यून वदा य न मू द या मा सा न म रु स्य त ग व त वं य लि धा न म रु न् १ य क वि द्वा स मू दि रु म व ला का ल स म य म म ना म ध्व यं श्रु त्या य रु त त स्या ला द वा नां न य किं सा नां स सा ग ता या म य य य	यं १ त न च स म य त त सिं ऊ वृ द्वा य दि धा द्वा रु ला वा ह न ह अ धि द्वा न रु स्या श्र ला या म व ल शिखिन रुथा ग त स्या ह त ह स य क्रं वृ	वि द्वा स ला ना म रु ल वि न्म द या न म ति अ नो या दो जा न् मा नं त न य क वि द्यां य द स द्वा य य द्वा धि स ल व यो य व मा न स्या रा
--	---	---

मल्लयनतानिदसमस्यासहआलिकालगतानिदवयुजयनिंशससजागतायामययनानिंशहाययनानांवेद्यामवंपूयस्यतसहयविदि		
तकमडत्यनहाकनवयंकुशलकमह	लुतागुहदवयुजयनिंशसययनाहा	तथांमतदरुनुरवयंसिधिसिंजसूदी
यदसमस्यासहआल्लवन्तवयंति	यगमनिगताजलवाहननअष्टिदावक	हायसुतनादकनसंकथिताज्ञानव
वहायगंतीवस्वास्माकंयतीत्यसमस्यादा	धंमादसितहाजलसिधिनरुथागतस्या	हृत्तसम्यक्कसूदस्यनामल्लियंआविता
हृत्तनकुलधम्महनुनात्तनयत्ययनहवयंदवयययनाहायनूनंवयंयतजलवाहनहअष्टिदावकरुनायसंकममहाडयसंकमतस्या		७७

प्रजांकविद्यामहाअयतानिदसदवयुजसहआलिदवयुजयनिंशस्यतहिताजलवाहनस्यअष्टितागुहतरुल्लननल्लयनहसमयनजलवाहन		
हअष्टि यूनडयस्यितहृतस्येदवयुजेदस	महाहावसहआलिशीयात्तस्ययिता	निदसमहाहावसहआलिधादतल
स्ययितानिदसमहाहावसहआलिदक्षि	हायास्यस्ययितानिदसमहाहावसह	आलिवास्याअनस्ययितानिदगुहत्त
वजनमानंमादावयस्यस्यस्ययावयनुदि	याअदूरितियहयहताहायनमद्वजसू	दीययतिविद्वद्वाहाअयजलवाहनह
अतिथुतिविद्वद्वाहाअयतानिदसमहाहावयुजसहआलिखगययनायकातानिंशतदवयुजावाङ्महसूत्रसूत्रयस्यविषयस्यतस्यना		

तत्र मादा रवयुद्ध वयं यवययता यता विमल वा युद्ध रती तना य संका ता हन नन युद्ध रती मा द्य रवं यं यं यवयय तस्य तस्य वा तहिति ता ह यून रयि		
दवा रयं गता हा तन ययति ह का म गु वी न व म	तिस्मा र्को उयति स्मा य विरा यति स्मा र्	महती श्री श्री रा शता मने तव ति स्मा तज
मृदी य व या नी य ता ता इत् नृ नृ अथ खल गता	सू र स्र व य रा गता व न ह मा त्या यु द्ध ति र्	कि म थ म य गता व ता नि ति मि त्ता नि या
इत् नृ ता नि र्ता वा य नृ य द्ध नृ द वा का नि या	नृ इत् नृ वा ह न स्य अ धि दा र क स्य व द्वा र्	वि सं मृ द्वा ह र स ह आ ति य व धि ता नि
दि या नि र मा द्य र व य यु द्ध व द्वा नि ग द्ध ति त ग ता या ह त न व ता ड ल वा ह नं अ धि दा र कं यि य व य न न स द्वा य य त् अ थ त ग ता क मा त्या य न ड		

लेडा

ल वा ह न स्य गृ हं त ना य सं का ता ड य सं क थ ड ल वा ह न स्य अ धि नृ रा त द वा र नृ रा ड स्र व स्र व य न स्र वा मा म नृ य त् अ थ ड ल वा ह न ह अ धी म हा मा		
त्ये ह सा द्ध य न रा ड स्र व स्र व य न स्र वा य ड	गाम र् ड य र क थो का त ति य स्र व रा ड	यु द्ध ति र् ड ल वा ह न कि नि मि त्ता नी या य
द य वा तो श्री ह्मा नि मु त नि मि त्ता नि या	दृ ह ता नि र् अ थ ड ल वा ह न ह अ धी स्र व	अ व य न स्य त द वा य नृ र्ता नि मि द व नि य
तं द स्र म स्र म ह्मा ति का ल ग ता नि र्वा	अ ह्मा र् क थं ड ता नि र् ड ल वा ह न मा ह्मा	ग द्ध नृ द व ड ला श्र व तां म ह्मा र् क थि ती थ
वि श्र नृ कि ता नि द स्र म स्र म ह्मा ति की व ति र् अ थ का ल ग ता नि र्वा ड ह्मा र् क थ म स्र र् अ थ ड ल वा ह न ह अ धी ड ला श्र व दा र क म त द वा य		

तु गच्छ कुल यज्ञादी संत वायु श्रियां यस्या किं तानि दस मल्ल्य सह आशि दी वति अथ काल गतानि १ अथ कालाश्रयादाव कश्चि लुं २ यना हवी संत वायु श्रियां तना यज्ञा मा माय सक युत यति निवृत्त हयि तु वत दवा यज्ञा का त्वा यत वा जसु वस्व यत स्तना य संकः आशि काल गति दव युन यति मल्ल्य य य नानि १ त मां द व युना त्वा म न साव ना य वा ना दी दृ शा नि मु ल नि मि ता नि आ द रू ता नि १ य द स्मा कं शु रु	अथ दस तानि दस मल्ल्य सह आशि काल लगतानीत्यथ कालावहन ह्यश्वी कः यो तां य कृति मा दा य यति स्म १ य ह्य ल द त मां द व युना त्वा म न साव ना य वा ना दी दृ शा नि मु ल नि मि ता नि आ द रू ता नि १ य द स्मा कं शु रु	गतानि १ मल्लं नं व मा दा व व यु य व य दृ दृ ला म व स्य दा व क स्या ति का मि दं व व नं अ वा ज नी या त्वा नि द स म ल्ल्य सह आशि सः ल नि मि ता नि आ द रू ता नि १ य द स्मा कं शु रु
---	--	---

७६

यत्वा नि सं म क्ता ह व स ह आशि दि या नि द मा दा व व यु य आ शि य व यि ता नि १ अथ स मा ज ह ह ह ह ह द गत म ना व ह व त अथ ह्य ल ग वा न्य न स्मा आ धि स त्व स म च यो क ल द व ता म स व स्य म य ता ना म मा दा वे त् व १ त ह्य व स्य व य ता ना म मा दा वे त् व १ त ह्य य ल यु न व व द ह्य १ त क स्य ह ता ह वा का मु क्ता द न ह स त न का ल न त न स म य न क णि च वा ना म अ श्रु न १ स्या त्व ल यु न ह्य क ल द व त २	तदवा य न १ स्या त्व ल यु न य मा क क ल ल यु न व व द ह्य १ त क स्य ह ता ह वा ल यु न ह क ल द व त २ न्य ह स त न का ल न का मु क्ता द न ह स त न का ल न त न स म य न क णि च वा ना म अ श्रु न १ स्या त्व ल यु न ह्य क ल द व त २	द व त २ न्य ह स त न का ल न त न स म य न यु य आ शि ह सा क्त न का ल न स म य न स म य न क णि च वा ना म अ श्रु व ह व १ न अ श्रु न १ स्या त्व ल यु न ह्य क ल द व त २
--	--	---

नमस्तुतनका लनतनसमयनकुलवाहनहृदयश्रीदायकारुतखलूनववंदधृष्टं तत्कस्यहतावहं सतनका लनतनसमयनकुलवाहः
 नअश्विदायकाऽहं नृणां लूनयूनः स्तकुलदवतऽयासातनकालनतनस मयनकुलवाहनस्यकुलाश्वगतानामह
 तनखलूनववदधृष्टं तत्कस्यह ताशगया नामसायाकायातनकालन तनसमयनकुलवाहनस्यकुलाश्वगता
 तोयाहृन्नादवतदस्तनकालनतन समयनकुलवाहश्वगतामदायकारु नृणां नयहसतनकालनतनसमयनः
 कुलवाशा नामदालकारु नृणां लूनयूनस्तकुलदवतऽयातितानितनकालनतनसमयनदसमल्यसहयातिवस्तवृशानयूनलवद

ॐ न

धृष्टं तत्कस्यहताश्वमृनिताति कुलना तनतजागदयमृयातिदसदवयूनसहयातिनकालनतनसमयनदसमल्यसहयातिवस्तवृशया
 निमयादकनसतथितानि कुलनववताः वगशिवश्रयतीत्यसमृयादाधम्यादशि तदावतशिखिनस्तथागतस्याहं नृहं
 श्रकवृद्धायस्यतामधयआवितहातन कुलधम्यहं नृनामसातिकमृहगताः तिथनतश्चनृत्तमायासमृकावोधि
 श्रकृतानि मृतोवथीति यमादयामाय नधम्यश्रुतिगोवतासूचकावताना मध्यानि युतिलेखातीति तस्याल्ल
 यूनस्तकुलदवतऽयासातनकालनतनसमयनवृद्धदवतारु नृनवदधृष्टं तत्कस्यहताश्वमृहकुलदवतनकालनतन

नृभूयंअधिवका लयाप्रमत्वाय सावसमदयतिवतस्य डभूमस्मान्निवस्थी व्यायविमि तगुलाधितस्य तत्सा यूरय १ भूय न गवांस
 हसावयकववयाविलिखित तलनः स्थलितनवकमलका मलनयावि नाधमली तलं ड स्या न १ आह तमावता
 यद्विकांभूयिदीवचाल १ मलिकान कवडतविकृतं वभूय ततात्यऊगा म १ भूय न गवां नाश्रमा तदमा मत्रय ॥ ७ ॥
 तस्या १ विद्य हृया नद गंरूय १ भूयाय आनातद्या न गवतयति अत्यभूयः १ विद्य हृया मास १ सतजददशकनका
 विसृ तमुक्ता सं द्वादितं हि वया मयं ममूदकं दृष्ट्वा वत गवत मत्तदवाच १ न वरा मयं न गव सं मज्जत हस मूद तं १ न गवानूवाच १

न वरा मयं न गवं मैमेऊ तहसमूद तं १ न गवानूवाच १ मये तस मूद वा हस च ड द्वा हा तमभिनश तदा ड द्वा हया मास १ सतजददश
 हिमकमूद स दृष्टान् यली निष्ट द्वा वत गवत मत्तदवाच १ न गवत रूय नृय लक्ष्मि १ न गवानाह १ भूनी यता नाः
 नदमदय नृयस्या रूति १ भूयाय आना तदस्तान् यली नायाय न गवत व द्वा या यता मया मास १ न गवां स्या रूति निगृही
 त्वा सं द्यस्य न तह सं रूया वाच १ भूमा न् यली निमह य वल गुता म द्वा स्या सम तदमश्ना न द्वा न्ति य वि वल रुमात्मा
 हय द्वा ह सं रूता रूया रूय ह स त त म मितं वा क्षी मति मत्ता दृष्टा त्मा हि ना क्षी ति मत्त ह स दा दान निव तसा १ तता न गवा सि द्वा ना मत्रः

या मासा १ वदतति रुवावाधिसत्वमविशली सीतगुला वासितानि १ यममदल्लतदमनानि यन्मन्त्रतानितनस्तति रुवहकृतक
 यूप आवजितमनसह तानि श्रीग
 त्रुत्तगवानतीतानागयत्यनसद
 त्रुत्तगवाना यूपान्तमानदमत
 येवंक्षियमनत्तवासंम्यक्वाधिरक्षिसमृद्धतित्तुतयेचमानदातीतधननकाधनधन्यवाहनवलाययनाश्यतिरुतवल यमाय

१००

मा महारथानामवाकालुत्तस्यदवक्रमावसष्टशाश्वयहयुतावृत्तवष्टामहयत्नादायदवा महसत्त्वदांस्तति १ ज्यमडाकीउनायम्या
 नमतिनिद्रामत्तस्मात्तवक्रमावास्त्या
 सवनगुलंयदिविमुहातययस्तव
 मलक्षितायांतंदादसवतागुलंयदिवि
 वयं ह्यायदेविताममाययममहदवडवायनमतयमस्यायिकुम्भजनविद्यागादिमहदययवक्तुमहसत्त्वडवायनयममत

यमिहस्तिनायिकाववनवमूनिजनसंस्तुतदिविक्रयवमसुवियुलमहयतालातांदयमिमंसमसंयहृष्टतिवृज्जयमाकाकुमायक
 द्वादशवनगुलविवरंयंयमाताशका
 दूवलसुवीरां१६हृष्टमहयसायावदी
 दानीशाकनमलतमातासुस्तानयि
 स्त्रियाताजनमहयसादडवाय१माआडकुनिवृधिशतिवमसकासंतवयवृहृष्टयतताजनमूकं१याष्टतवृहृष्टमिहनां१मह

याष्टिदृष्टमुहमाहयसतांयंयसु
 नृताकश्मिश्नयस्त्रिनीयताहयस
 सहायिथतिक्षिप्तयावाकालंकवि

तयविवृतांशुहृष्टयविक्रितांयवम
 तावासयाहयसतावातविष्टति१३
 यति१महसत्वडवाय१किमस्याकय

१०१

दवडवाय१३हेयानयस्त्रिनीहृष्टययवीनसुवीराजलंयागावसयायवमदूवलनसकमतयास्तनताजनमंवष्टं१का५याहयातायवि
 वरुणाथंआतायवित्यागकृथादिनि
 धिनांदृष्टवसुवीरातियुक्तानामल्यवृ
 नासत्यवयासांनदृष्टवहाअधिय१क
 काल१मृदितमताहयवदीवित्तसुवीरातज्जयतजाडकुमावाहयवमसंदीहायायाष्टि१मृदितमनिमिषमननिनीकतहयवकमुखा

१महयसादडवाय१वित्ताइकावआता
 क्षीनामयनयहाअन्यायांयूनमातायवि
 याकवृत्तामवताथेमत्वादिविचरुलन

यवित्यागमहसत्वडवाय१ज्जसादि
 त्यागातिवृष्टानांयवदितातियुक्ता
 त१खदहंसतसमृहृष्टकवातिनिधि

तामहसलयेतदहं न अयमिदानीमात्मयवित्यागस्य कालस्तु कृतशस्त्रविषमयि अतायं यति काया महदेहा मय न वस नाने ता जने वा हने ह्यसुत नय त न धेमा तदना ते वन वता मस्थे त तत्वा व तमह मिदानी वा हं दसु त त व सत क ति तं वि द्य म न विका वं नि वृ य धि म म तं आ न य क्ता दि नि शु तो ह सं य स्य न्न मा का य क्ता स त त वि तं या य्य र वं स मु द्दे स म ल व क्त त य व सा य ह य व म क र	तं न वि ऊ ह ति अ नृ च ख स ता व क्त त नि या क्त त स्ये क्ता म व ता स म डाल व ता त स्यं नि ह सा वं य ल क लं क मि स त त वं स मु द्दे स म ल व क्त त य व सा य ह य व म क र	स्य स म यि व न ना रि त स्या य की वा स हो त र ता त वि या मि अ यि व त् य ह वि तं का य क्त तं नं हि य नि ह सा क नि
--	--	--

१०२

ताय वि गत ह द य ह त या वि क य य का व ग द्वा तां ता व ह व तो ह्य का थो ता हं द्वा द स व न गु लं य व क्ता मी ति अ य स म हा स ल्वा रा ड क्ता म व ह त स्या द य व ता न्य ति नि दृ त्य आ स्या आ ल य म य ग धि मि वृ ध्वा मि वां का वृ ण्या न्य द दा मि नि ह न व मा ग रं य ति न या द ता व य य म हं १५ किं वि द्य क १ त ता वा धि स ल्वा द व ला व त य म य त्वा ह य स ल य य य त स्या १ क या म ति न क वि द्य क्त म ल त नृ सा ति व ला म य म ति का य म ल ता क्ता	अ व न ल ता या य व र ता म य य य ति धा नं ल म ति द हं य वे द स्या डं १ त न वा धि व ना त य य आ स्या अ ति नृ य म ह स ल ह य य ति	य का व र य आ हं ड ग ता दि ता य म नु लां वा म या जि न स ल र ल यि ता नि ह ग ने ला थं त हा त ता य्वा सी मे नी व ता वा धि स ल य न
---	--	--

त्वात्तयास्तुतमुन्नायायासीसमीययथातययति तमावयवाधिसत्वहमिविधंयवविहीनवनोहसलिलमस्थगतावद्विकायंयवजालमा द्रुगुहसुगुवदितकरकिरयानवजाङ्ग संदवतावाधिसत्वंनुमाययथाकावृण्यं अस्मस्तुतंनतमवतायेचिवहितंनिग रंवाधिसत्वमवश्मृत्तमावतानिमात्तवधिरमस्तुवस्यंवकावगुमयमहायणादरुंरुमिकन्यमननिमममहदवमतदवाचनुयु	दिवागंनृयुंमंमिभित्तुश्रुत्समवयव तवविरुत्तमिहसद्वयमुत्तवतायथा यासंसात्तमिहतवियायाश्चमिभुत्तं	ययातुजयान्यतवाधिसायावद्वितमन वेतदहंहाडमिनरवीनयमदितहाशिव १०३ गुमयत्वत्तमायासीवधिरमद्वितसमी
---	---	--

ववित्तममुदासावाकायथयंवसुमतिदसदिरुत्तयवस्मिस्तुश्रुत्तयततिसकलकुसुमवयंयाकलंवा मनामाखतनुविहविरुत्तहसान यकंजाहृतामगमदादवदुवाचयथा अनेहममवितास्तुदवतामतिविहसं यन्तनयतिनिवृत्तगवन्तोयासीसमी मुनियारुतिवधिरवकादमानिनानादिष्टिकडाविरुत्तुंष्टुष्टुवसमृद्धकोरुमोनियतनुहसुविवातांनुमयतत्याहयाववाङ्ग	यसकावृण्यववाश्चवायनुसमीकता मयानुमागुयतो गदकमावोयवम यमवातिरुग्मनुयतंदष्टसुहृदसुव	न्यतनयनृदणायताद्वधिरितायसुन आकालिरुतोवाययविष्टताकोतमन वंसलतासमायुक्तयावयशंश्चमुविकृ
---	--	--

आल्लखंममवतुहाअहयियलाहकयाधिवारंनथाऊवहीसतवहलायाष्टद्विष्यतसाऊननीहतीयहकवायुवास्यांकमलायतकः लाहाअहाहिसमाकमिहवशानितन तथाहाअथतोवाऊकुमावोवद्विविध तहकुमावावयसाहयवस्यवद्विष्यवयः यागसूवकंखपददसात्तयथासुनोद्विष्यमानोदकोत्यातनंयविष्यमानंतयहकयातआवकाहयतिलंसमानारुहीताशवंस्यननाहि	नयदसमवतानडीवितंकायमहस करांविलययवकुमनुहातनकुमा यद्वहाककुमाहककुमावगुतिगतसि	त्वविवेकितावयंदास्यामहदशनम्यता वस्यायल्लयकादिशिविदिशिष्यधवः १०७ असमयदवीशयनतवगतायियविय
--	---	--

यमानाहाअथदवीरुमिकांयादुल्लरुहदथासहसायतिविध्ययितायवावरुवर्किमयाहृतधाजीऊलनिधिवसनाकंयतितुसंसूयाहस लीनवस्मिहममवकुवतुनूजाजा हलानांवनविवरमिदकीउनाथंवा दविकुमावयवियावकाहकुमावम तनयनावदनागाजानमतिगम्यावाचयदवतहसमयियसूतहस्यतगाकायिसंकयितहदयहयवमसंजममायदहकसंवि	यतिवाद्रुहयंकवतिमगोस्त्रावतिहयः लानांअथेववित्तयन्यासुहीवसंवाः वयत्तनसहस्रयतत्तनयुजुहृतसु	नयतंखरुनंद्विष्यतिवास्त्रिमल्ल्या तहदयायविह्यदयानिवदयामास दुखाअदवीसंकयितहदयावास्याकु
---	---	---

युक्तास्मिं मुक्तास्मिथियस्तुतन १ अथ वा जादवी मास्मा १ मा सीदेवियुनायं वयं कमा ना नवयथा यवरा न हतनयवृत्त कमा ना नवयथा सिद्धुत रुकाय १ अथ विनादव वा जाददश १ दुव हकसंस्तुत विद्याना नाम गतनवनि नूय रुयनयं साति या मा हा म वला मयग ता स्ववमुवाच १ यदि तनया मुयस्मस्तुत्य व मा वनवव कस मा कल य विद्या हा कस ह द य मा मा स मल्ल ती य हस्त मया य दवेति क ती य स म त	त रा वा ग द्वतो वा ऊ क मा नो ह द्वा वा हा व लं न न थी ति व वं न ग तां १ न व ति स्तु त वि वा य न डी व ति यु ना हा अ थ द वी य व म	ती न १ रा तो मा ल न तो क मा वो न तु स च या मा या ह म दो म न स्थ १ न न व व रु खि न १०३ सा का ति ल ता या म म ह न व क ती जा ल
--	--	---

नु ग त या वा ग या वा जा वे त ल्य वि दृ द्वा ता ल क ह क मा नो य वि दृ द्वा ति स्म १ क दा व क ह द नी स मृ ति १ त त ह सा का ला व अ द्दि न त य तो य वि अ स्म ता ला स द श न व द नी त कि श्रि द्वा नु हं १ क स म म य न रु ती य ह द य मि दः म नु ह स ह अ व ता न वा जा द वी य वि रु ना हा अ थ वा जा द वी व ता य ली नि अ य ग त वृ धि व मा स स्मा यु ति दि आ वि दि स स्म क स वि की आ द्वा या ह त म्ब द्वा मा ल मो नि य ति तो १	हा द या वा च १ क य य तां ल स्य वि मृ क ति स्यु ति त नु स मृ च्च ति वा १ अ थ तो क मा स्व मा ह म य ग ता हा मा ह य था ग ता स क र	स्यु ति स्तु थ व म न्द अ य मि थी य ति व द वो वि रु व ता तं द्वा क नि व द या मा ला रु ख व र द मा ना रु द अ म ति ड म
---	--	---

तत्तद्व्याहृतद्वयविपत्तामवच्छेदकसुल्लिखितमलयवदनायको गङ्गादद्यात्सुभीरं यद्वा दद्यात्मास एव यत्सुविवा संज्ञा मुयत्तस्य वाका हयक वृत्ता इविललाय १८ कश्च यत्न तद्वादिना तय वं मम न विद्यति दृष्ट नृणां तद्गुणमस्या धवण्या सुल यवि तृथिय सत्क तव क सत्ता यं क्षमा धवली तल दिवि य की सु ह स वा म म नु वि य न ना ग ता य ह यून्या म न य ना ह व य व द्वा ए हा	कमना व म द सु नी य १ मु त्या व सं श्री य म नु नृ प द वी व मा ह य त्या ग ता य की व ह मो ना म हि यी व न व व त्मा क ल ली व तल दिवि य की सु ह स वा म म नु वि य न ना ग ता य ह यून्या म न य ना ह व य व द्वा ए हा	मय ग ता सि मु त्या य स म म व दि वा ग अ क सी वा रु त्या म व र्णा न य की रु त्या १०६ न स सा व का क व र्णा इ वा दि ति १८ क तल दिवि य की सु ह स वा म म नु वि य न ना ग ता य ह यून्या म न य ना ह व य व द्वा ए हा
--	--	--

किं शरीरमिह मय न या नि वा मं य श्या मि यं स त व रं ति ह तं य धि यां १ स व कं द द यं म य श्या यं म ये त द्वि य म न म व श्च ना वि ल दं १८ वे त त्या त कं ख म य लं य धि द य म य व क्षि स श्य न ना य ह ता य य व श्च ह म ल ह्वे क गङ्गा द वी व व रु वि धं क वृत्ता इ य वि द व त त्वा त सिं य धि वी य द स स व श्च म य चे त्या स य ला नि ता नि श री वा क्षि ण स्या क ल ल यून्या म न य ना ह व य व द्वा ए हा	द शि त ह स प्रा क व द्वा रु नी द श्या त्वा य या ते श्चि य हा म म य मि ति वा ता र्ज ह इ स म वा व र्णा न व म य म ह ता रु न तल दिवि य की सु ह स वा म म नु वि य न ना ग ता य ह यून्या म न य ना ह व य व द्वा ए हा	म थि य स ता ना शं ग त हा श्री य म त ह य वि द्वा ता य वा ह ता मृ त्या ना ग अ य का य न मा द यून्या म न य ना ह व य व द्वा ए हा
--	---	--

नामशङ्कमावा १२८ नानेवदंष्ट्रं १२८ कथं हता १२८ सतन कालनतन स मथन मह सत्वा ना मशङ्कमावा १२८ नदायि मथानदवाग	ह्ये १२८ यथाङ्ग गद नृही तं १२८ के खल	यूनविदानीं सद्यदा या यम तन सथ
द्वयमाह यविमूक्तननकादिति स्वदह	कल्यसमदयं नरक युवाङ्गा तिसंसा वा	दिमाययं १२८ लसावे सद्यग लयनि
आं वृद्धनति १२८ दं हि शके कथं सत्वस्याथ	नगवा तस्यां वलाया मिमा गाथा अनाथ	नृवदुनिक ल्यानि मयात्म त्यक्रहय
गुही तदृक् नमन कविध विविनुमि त्याथं	नरुथे व त्या क मय आत्म ता वा हा अ नृसा जामि यु	विमा सङ्गा तिसुमद नथाना सवहव
यो यय ता म मशदाधि १२८ यथा मिमाङ्गा थथ बाङ्ग य नरुथे व त्या क मय आत्म ता वा हा अ नृसा जामि यु		

१०८

वाङ्गा १२८ स्यायि युनामह त्या ग व ता ना म म ह सत्व व वा व रु व १२८ तस्या ज्ञासी दथ ता तयो व ना म म ह द व म ह थ ला द हा व न ह थु ग ला न स	स्या ग सत्व स्य कथति का ता थं न	न हं आत्म त्यङ्ग य मां मं यथा हि या थ्यी रु ध
मथ ता नृ ह ते दृष्ट या थ्यी रु धा नित ता १२८	नि १२८ यति त ह्या सी त दा स म ह	व थ स ता म ह स त्व ष्ट दृ ष्ट व या थ्यी रु धा
त यथी डि ता त्या द थ ता नि स्व मात्म का	ति त कं थि त स से ल व सी वि द	त यु कि स थ दि वि धा नि स नृका मृ ग सं य
तां या थ्य स त मा द ला थ क व ला म थ थ		
रु द वा क्त ल मं सि ता त द नृ ला ती थं द्रो त स्य जा त वो च म ह थ ला द रु द व द न व न ति म ह स त्व दृ ष्ट त नृ म ह व न व थ सिं मृ ति द्या क		

याममकयातसतानि १ यास्यहतीयमहं कयातसुतं यियमना आस्यनरुजयविश्रहास्यननायह तं कयातकं च १ खप्राकवयममश्रीदृश
 आकंयविश्रहदयसिं १ जतिकरुसाक
 रुवांखकापूष्ण १ रावमूष्णाशमहीवीस
 सद्यातदृष्टयवराणाह्वकवृखाह्वववादमा
 नवशाकात्तायुजवियागस्यसातस्यानाडदुखाभात्याययुक्ताकिङ्कासायंगतापकुमागयां १ सचनगवाकङ्कनातातासुगृहीताः
 वितामयसांसमरुविश्रतिनविषय
 मूचतियततितनधवलीय १ स्मृतीय
 नापुकादकदृष्टद्वानामयमहीवीस
 युजाखामविजनददखममकीवित्तं
 यदिहीनाविनश्रविताविसंक्रमना १०७
 मूचितयतिताआतनधवलीयसम

द्विताशतयआगताह्वाकमुत्वावादमादनापुष्टयचतियथेयतंसहसत्वंकिङ्कीवितावाकगतहसायदंसहसत्वंकिङ्काशहमयम
 नायं १ सत्त्वदशनयियमनायंतविषयवि
 सकयानित्यायराजमहवयात्त्ययरा
 शिञ्जति १ उदकनयावल्मृतिनलनत
 यमहीवीकशवमवंचदिशि विदिशाह्वासात्याययथाकिङ्कासायंगतापकुमागयांमात्वमतिदीनमानसातवाहिनत्यसिआकददया १ रा
 नमृजुमं १ मशाकवदनाययातिविष
 दमानशाकात्तुसिञ्जतिमलिलधा
 १ उल्लययुष्टिबंदीनमानसाकिञ्जमय
 यसिंयवृणानिदनाकवाअनतमाया
 वेहाजुयमहीवीकधवलीययतनीं
 नाहिसुताकीवकि १ माअमहवयस्त्राः

वंमहवयश्चक्रमाययित्वा तदायमहीवीवकंय एनिष्कुमवाङ्कुला ताया अमूखा वादमान हसा का लुवहा अमात्या गराय विवृत हसदी नम	किंलसाथोय वाअयुजायां वरुयमा	यो हसतसहया अमूखा वादमाना
नसायदीनयश्च निष्कुथनं गवयुवता	छतहसमनवद्वा हासमनतुवनिष्का	तावाअमहवयहासमनतुवायिययु
धावन्ति एनिगतं दृष्ट्वा वाअनं वाहास्य दृ	लनयता दृष्ट्वा यतं ययुषं मृष्टित	श्रीयश्च बुधिवल्लिया अया अनालिय
नकवन्दनं नायं यदतिदिशतां स्रुआ		
सुधीतं ग अमूखा वादमाना गच्छन्त्या नृणां सा कात्तं स वाहमहवयस्य ददयस्य हस अमूखा वादमान हसिता दुहवा रुचक दत्त		

११०

समूथाय तमामात्यत्वं वागत्य श्रीयमवा वनं उय संवा अय नृयत वाहासमहवयस्य आ वदिशं मा सा कचिल्लं नव नृयत तिस्रं तितय	वमन्तिकदक्षसिद्धं युनव नमनायं	मूकमानमतिगया गहादिनी
जायियमनायाह नवित्रणा गम्य हस	लवस्यया दृत्वा सा अमूखा वाअनमि	दमवदीदिति द्योयत युनो महनृ
यामात्य आगतस्ततश्च वदन् वकीष्ठा म	कस्तवयुजवमान दृष्ट्वा तं नृययलो	महसत्त्व अतिताया दृष्ट्वा यथा
यदुत्तिष्ठत हसा कानलमं यदीष्टो रा		
स्थीमवित्रयस्तं या स्थी अयुना मयना रुका मां तेषां महसत्त्व वरुमा वासह कका नृय वलं जनत्वा वाक्षीय कृत्वा यशिवि		

मूढां संचां मूढानि ह वा धियश्च तं वा धिग शीव मूढा व मिष्टा अनागत धनि अहं स्य अयं यतिता महसुत्वा मि वि नृत्वा लु सा यः		
स्मिता वा आश्चर्या निता र मूढ ल निमा	अकृत हस अजं वा र्थ व स यं क र	वा ऊ य नं र वं व अत्वा म व य हस
स्या रं स मूढि ता ना ऊ म ह व य आ यतिः	न स ध व र्णो य वि न स वि ल हा सा का	मि ला ये क लि त स दा वृत्ता अ माः
त्य या च या क र्णा ख व वा द मा ना र सा का	तं मि ष्ट नि त र्ज ल न म व लि ता क व	रु ह स क द मा ना ह त ती या मा ता
नृ य म व दी नृ र्द शो म या य ड लो क मा वो स मूढि ता त न म ह व न सि नृ य ति तो ध व र्णा अ वि न स वि तो अ स्मा रि व द क न व मि ष्टि		

१११

तानि र या व ल्प ति ल ल यून ह लि तो टि र आ दी प्र य स्य ति दि स स्य त अ ह मूढ त ति ष्ट ति य ति लु सो क र्णा ख व ला य वि द व य ति ता वृ द		
वा ऊ स त तं लि ह ति व स्य मू दी व न व वा त	व स्य र म वे व वा ऊ ह दि दी न वि न	ह यून वि या मा ल वि दि ष्टि य वि त ह स
रु य वि ष्ट ह य वि द व वि ला रा वं हि म जः	य वि द व य ति र्ग क ल म यून यि	या म ना य हा य स्ता अ नि स्य व न वा द
स त मा मू षो मू अ य व द्दो हि यूनो सा का	मि ता डी वि त सं द यं व ड नृ य न	न हं शी लु व ड यं त नृ य स्य य यूनो यि
य द ज ना तो र शी लु रा या त न च वा ऊ धा नी च द म य डा ऊ कू ला त शी लु र मा रा य मा लु	वि क त नृ का यं सा का मि ना त हृ द यं स्य ह नृ	

१ युवाय दृष्टान्तासत्ताति १ नडी वित्तनालत्तविद्यागं १ राजयिवा मात्यग खान सादं द्वि याति १ रागतत्तवदसिनुं १ दृष्टाय युवोम
 तं गं ममाह कवृत्ता खन खं कदित्तात्त
 स्यं श्री स्यं त्वमा खन यादवी आद सत्त सत्त य
 नश्च बाहुहि मह नय स्या यने वया सी स
 जा १ मही थी य आसी दव मा याद वी १ मह यत्ता द स य मे वी या स ता ह द व आ सी द य न ड युवा म स सी व सी व क मा वत्त त हा

११२

१ श्री अत्तत्त नमदा य स य ती आ सी सत्ता यं व क अमी हिति कवृत्ता दया सत्ता विद्या कि आ सी १ अथ मह बाजा मह द वी व व द वि ध
 कवृत्ता य विद व नं कृत्ता स चा त व र ता
 स्य मह सत्त गृह म सी ना यति स्था यि ता
 वं य वि ल कं १ रा वं वृत्तं य वि धि नं क
 ने ह क ल्य ह स च स त्ता ना वृत्त का र्थं कृत्ता वि ता १ अस्मिं द स नि दि द्य मा न अ य म या नां स त्ता नां स द व मा न वि का या ह य ड या अ

मूळमां० अथ खलु विवक्तुर्वो धितुः डह्या सनादकां समहं वा संगं यावा वत्ता दक्षिणं जानमपुलं दृष्टिं यं यति सायायि वाय नन गवां रुना डालियला गायि
त्वा तस्या वलाया मिमांसा या निवा वेत न विमं १० सत्व गाने द्रुमत यष्टुल कृतां सदस सी वा वृणुणे नलं दंतं १३ दान वष्टुं व न सो अद से नं सदस सथे विवयतः
ति ४० अथ नय न सि कलना कूलय नं विवि नु दष्टु कूलय तम स्रवं १० नो ला वदा ना शवका के ना तं वे ड्येता मा पुल स्रुति कानं १० नि ति सव जा गि नो द्रय न ता य ११४
य ना वम न न का ठिय ४१ य मा द स्रु ३ य वष्टु पुदा वला य तय न सत्व स त्या व न वि ति गय स न वष्टु द्रिय वा न द से नं जा न वृ यं ड न दा त दं दं नं १० ज्यु वे
वष्टु धि न जा वि वा रु स य था वृ य क ल व म ना कूल य नं १० वि मु द वा वृ णु णे व लं दंतं स मा वि स नो व ल द्रु य मां वि तं १० वि वि नु यष्टु व नु यं ड ना वि तं स दे

यमक वृत्ता कलना क वृत्ता च तश्चा मिमं क ना य क द दा हि स द से नं मां अ वृ यं १० त्वो दे वा ता ज न य न द व ना अ या ख य का य त य मा व का नं मा ता स्रु
त्वां ग मा ला ख ना वा मा या म नो द्रु द क व द्रु त्या १० स वे स त्वा स रि न ता वा स हा न अ या ख य ना य क त्या १० अ य न ग वा ना धा नि स नो व स त्व न त्या वा व न १० सा वः
सा धु त क ल द व न सा ला द दा नि सा धु त क ल द व न य न अ सा धा नि १० द म वा व द ग वा ना य ना ह व वा धि स त्व स म न्र या क ल द नो वे स व स तो म हा द वां पु म
स्वा मा व स वा व नो य य दा म व ग वृ ड् क न व म हा व मा दि तां य म य व न ग व द्वा यि त म र न न नि १० १० द्वा य सी स व द्रु य ना मा ल स स्रु न ना ड ग वा वि स
नि त मः य वि स मा द ३१ ३२ १० य ध मा ह नु य ना वा क रु त्ता यं त था रा ना श व द ह्यं द था नि वा ध र वं वा दि स हा रु म ला १ १० द स रं व मा यं य व न म

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार DH403



